RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7
अर्जुन रेड्डी के रलैप सीन...

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड

हत्या से राजस्थान में तनाव

उदयपुर में आगजनी, अजमेर में दुकानें बंद

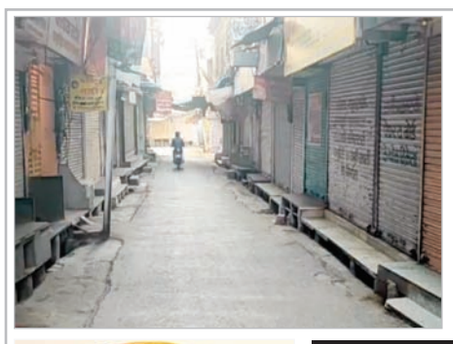

दो युवक गिरफ्तार

करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्या मामले में राजस्थान पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार की है। गरफ्तार किए गए दोनों युवकों का नाम रोहित राठौड़ और नितिन फौजी है। बता दें कि हत्यारों के साथ आए नवीन के मोबाइल से जानकारी लेकर पता लगाया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार हत्या के आरोपी नवीन को अपने साथ गोगामेड़ी के घर लेकर गए थे। घटना के समय शूटरों ने नवीन को भी मार दिया गया था। अब उसके परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

जयपुर (एजेंसी)। राजपूत करणी सेना के राजस्थान अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की जयपुर में दिनदहाड़े हत्या से पूरा राजपूत समाज आक्रोशित है।

राजधानी जयपुर में प्रदेश और देश भर से राजपूत नेता पहुंच गए हैं। जयपुर समेत पूरे राजस्थान में बंद का आह्वान किया गया है। बंद के आह्वान को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

20 सेकेंड में मारी 6 गोलियां

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में सुखदेव सिंह गोगामेडी की हत्या के बाद तनाव है। कल यहां जयपुर का कपड़ा कारोबारी नवीन शेखावत स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार होकर दो युवकों के साथ श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के घर आया। यूं तो सुखदेव सिंह के घर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं। लेकिन सुखदेव नवीन को जानते थे। इसलिए उन्होंने बिना चेकिंग के ही नवीन शेखावत को आने दिया।

थोड़ी देर तक दोनों में बातचीत चली। सोफे पर एक तरफ सुखदेव बैठे थे तो सामने नवीन के साथ आए दोनों युवक। वहीं, बगल में नवीन शेखावत भी बैठे थे. किसी सिलसिले में चारों आपस में बात कर ही रहे थे कि तभी सुखदेव के मोबाइल पर एक कॉल आया. जैसे ही सुखदेव ने कॉल उठाया, नवीन के साथ आए दोनों युवकों (शेष पृष्ठ-3 पर)

गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंग ने ली जिम्मेदारी

पुलिस पर भी फरार आरोपियों को पकड़ने का दबाव बनने लगा तो इसी बीच फेसबुक पर एक ऐसा पोस्ट आया जिससे और बवाल मच गया. यह पोस्ट था गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से. गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से बने फेसबुक पेज पर सुखदेव की हत्या की जिम्मेदारी ली गई थी. उस पोस्ट में लिखा, 'सभी भाइयों को राम राम, मैं रोहित गोदारा कपूरीसर, गोल्डी बराड़. भाइयों, आज सुखदेव गोगामेड़ी की हत्या कर दी गई. हम इसकी पूरी जिम्मेदारी लेते हैं. यह हत्या हमने करवाई है. भाइयों मैं चाहता हूं कि आपको बता दें कि वह हमारे दुश्मनों का साथ देते थे. उन्हें मजबूत करते थे. जहां तक दुश्मनों की बात है तो उन्हें अपने घर के दरवाजे पर अपनी अर्थी तैयार रखनी चाहिए. जल्द ही उनसे भी मुलाकात होगी।'

'विकसित भारत संकल्प यात्रा' का हुआ शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। तीन बड़े राज्यों में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद अब भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। इसी के तहत विभिन्न कार्यक्रम लगातार आयोजित किया जा रहे हैं ताकि अधिक से अधिक लोगों को केंद्र व प्रदेश सरकार की चलाई गई जनहित योजनाओं से जोड़ा जा सके तथा उन्हें उसका लाभ दिया जा सके।

इसी कड़ी में आज सेक्टर-5 स्थित हरौला के बारात घर में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' रथ पहुंचा। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम का क्षेत्रीय सांसद तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा ने विधिवत शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने तीन पात्र लोगों को आयुष्मान कार्ड भी बांटे तथा छोटे बच्चों को अन्नप्राशन कराया एवं गोद भराई का कार्यक्रम भी किया। इस दौरान मोटे अनाज से निर्मित खाद्य सामग्री की प्रदर्शनी भी लगाई गई ताकि मोटे अनाज के सेवन के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जा सके।

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान 17 दिसंबर तक विभिन्न क्षेत्रों में चलेगा तथा वहां कैंप लगाकर लोगों को केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा जनहित में शुरू की गई योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा उसका अधिक से अधिक लाभ भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जनहित में चलाई गई योजनाओं का देश के करोड़ों लोग लाभ उठा रहे हैं। भाजपा सरकार में जितनी योजनाएं चलाई गई हैं। पूर्व की किसी सरकार ने आज तक नहीं चलाई हैं। यह सभी योजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनहित में दी गई गारंटी के नारे को बुलंद कर रही हैं।

इस अवसर पर भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, वरिष्ठ (शेष पृष्ठ-3 पर)

ससुरालियों की प्रताड़ना से तंग आकर बेटी ने की थी आत्महत्या

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-3 में एक व्यक्ति ने अपनी बेटी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में उसके पति व ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता की बेटी ने बीते दिनों फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

मूल रूप से हरदोई निवासी मंसाराम ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसने अपनी बेटी ममता की शादी 9 वर्ष पूर्व सुनील पुत्र राम जीवन के साथ की थी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

'दहेज में चार पहिया गाड़ी न देकर समाज में करा दी बेइज्जती'

दहेज लोभियों की घिनौनी हरकत, दो बहुओं को किया प्रताड़ित

नोएडा (चेतना मंच)। शादियों में लाखों करोड़ों खर्च करने के बावजूद भी बेटियां अपनी ससुराल में सुखी नहीं है। दहेज के लोभियों की भूख दिनोंदिन बढ़ती रहती है जिस वजह से ससुराल में बेटियों को प्रताड़ित किया जाता है और दहेज में लाया गया कीमती सामान भी हड़प लिया जाता है। नोएडा में ऐसे ही दहेज उत्पीड़न के दो मामले सामने आए हैं।

थाना बीटा-2 में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में मंजू (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उसकी शादी सेक्टर-62 रजत विहार निवासी कारण नागर के साथ 10 मार्च 2019 को हुई थी। शादी के समय उसके पिता ने करीब डेढ़ करोड़ रूपया खर्च किया था। विदाई के समय उसके पिता ने दो किलो सोना, 2 किलो चांदी, 21 लख रुपए नगद, 1551000 रूपये कार खरीदने के लिए दिए थे। पूरी शादी में करीब डेढ करोड रुपए से अधिक का खर्च किया गया था। शादी से पूर्व ही करण नागर, ससुर रिशिपाल नागर, सास श्रीमती जया, ननद (शेष पृष्ठ-3 पर)

एल्युमिनियम पाइप बनाने वाली कंपनी ने खेला धोखे का खेल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गुरुग्राम की एक एल्युमिनियम पाइप बनाने वाली कंपनी ने रेल सिगनलिंग, लोकोमोटिव, ईएमयू इत्यादि इलेक्ट्रिक उपकरणों का निर्माण करने वाली जानी-मानी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी के साथ धोखा करते हुए लाखों रुपए का चूना लगा दिया। पाइप बनाने वाली कंपनी ने इलेक्ट्रॉनिक कंपनी को आयरन के ऊपर एल्युमिनियम के पेंट वाले पाइप भेज दिए। इससे कंपनी को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

मेसर्स रिवर इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनकी कंपनी इलेक्ट्रिकल स्विच गियर डोमेन रेल सिगनलिंग लोकोमोटिव कोच, ई एम यू इत्यादि इलेक्ट्रिक उपकरणों का निर्माण करती है। कंपनी को टी-6 कनेक्टर के विभिन्न भागों के निर्माण के लिए अल्युमिनियम पाइप्स ग्रेट 2014 की आवश्यकता हुई। इसके लिए कंपनी ने मैसर्स हार्दिक फिजिशियन ऑटोमेटिक इंडस्ट्रीज के अजय कुमार और श्रीमती ज्योति राठौड़ से संपर्क किया। अल्युमिनियम पाइप्स ग्रेट 2014 की आपूर्ति के लिए शर्तों के अनुसार कंपनी द्वारा 7928871 रुपए का अग्रिम भुगतान कर दिया गया। कंपनी द्वारा एल्युमिनियम पाइप्स की एक खेप ट्रक द्वारा 18 नवंबर 2023 को उद्योग केंद्र एक्सटेंशन 2 स्थित कंपनी के गोदाम पर भेजी गई। तकनीकी टीम ने जब अल्युमिनियम पाइप्स ग्रेट 2014 की जांच की तो पता चला कि कंपनी ने स्वीकृत सामग्री के बजाय आयरन के ऊपर एल्युमिनियम पेंटेड पाइप की आपूर्ति की है। ऑर्डर दी गई सामग्री से भेजी गई सामग्री बिल्कुल अलग थी।

छोटी-छोटी पुड़ियों में छात्रों को बेचते थे गांजा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा स्थित कॉलेजो के छात्रों व पीजी में रहने वाले युवाओं को गांजा बेचने वाले दो तस्करों को थाना बीटा-2 पुलिस ने गिरफ्तार किया है इनके पास से करीब सवा तीन किलो गांजा व चोरी की एक बाइक बरामद हुई है। थाना प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस टीम एटीएस गोल चक्कर पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने बाइक पर आ रहे दो युवकों को रोकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार भाग निकले संदेह के आधार पर पुलिसकर्मियों ने जब उनका पीछा किया तो हड़बड़ी में उनकी बाइक स्लिप होकर गिर गई। जिसके बाद पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। तलाशी में उनके पास से गांजा बरामद हुआ पूछताछ में पकड़े (शेष-3 पर)

वकील ने गायब कर दिये अदालती दस्तावेज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर स्थित जिला न्यायालय में सिविल जज (सीनियर डिवीजन) के कक्ष से परिवाद की पत्रावली गायब करने के आरोप में अधिवक्ता व उसके चाचा के खिलाफ थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज कराया गया है। एडीजे/ पोस्को 2 के पेशकार की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पेशकार संजीव कुमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि परिवाद संख्या-3964/2016 की पत्रावली कार्यालय सिविल जज (सीडि) त्वरित न्यायालय गौतमबुद्धनगर में विचाराधीन थी। बीते 7 अप्रैल को पत्रावली डायरी में दर्ज की जा रही थी। इस दौरान अधिवक्ता रोहित अपने चाचा कमल सिंह के साथ कार्यालय में आए। रोहित उक्त परिवाद में मुल्जिम भी हैं। रोहित ने उनसे कहा कि वीरेंद्र विक्रम सिंह बनाम अजीत आदि के परिवार की पत्रावली देखनी है। उसके द्वारा पत्रावली दिखाने के लिए मना किया गया और कहा गया कि यदि वह पत्रावली देखनी है तो सवाल मुआयना डाल कर इत्मीनान से पत्रावली का अवलोकन कर सकते हैं। इस पर अधिवक्ता रोहित उन पर पत्रावली दिखाने का दवाब डालने लगे और कहा कि अगर यदि पत्रावली नहीं दिखाई तो वह उसकी झूठी शिकायत करेंगे।

इस दौरान उसे पीठासीन अधिकारी द्वारा आवश्यक कार्य के लिए चेंबर में (शेष पृष्ठ-3 पर)

देहरादून में की लव-मैरिज, गोल्ड लेकर नोएडा भाग आया पति

नोएडा (चेतना मंच)।

उत्तराखंड के देहरादून की रहने वाली एक युवती के साथ प्रेम विवाह कर युवक कुछ महीने बाद ही उसके तमाम जेवरात लेकर नोएडा आ गया। महिला जब अपने पति को तलाशते हुए नोएडा पहुंची तो उसके पति व मां ने उसे घर में नहीं घुसने दिया उल्टा उसके खिलाफ ही पुलिस में कंप्लेंट दर्ज कर दी। पीड़ित महिला ने थाना सेक्टर 113 में अपने पति विश्वास के खिलाफ धोखा देने तथा जेवरातों को हड़पने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

मूल रूप से देहरादून निवासी प्रिया (काल्पनिक नाम) ने पुलिस से की शिकायत में बतया कि उसकी लव मैरिज 16 सितंबर 2023 को सेक्टर-75 नोएडा निवासी शुभम चौहान के साथ हुई थी। शादी के बाद दोनों पति-पत्नी देहरादून के सेलाकुई में ही रेंट पर रह रहे थे। 13 अक्टूबर को उसका पति शुभम चौहान शादी का सभी गोल्ड का सामान लेकर उसे बिना बताए नोएडा चला आया। उसने जब फोन पर संपर्क किया तो उसने उसे गलत जानकारियां दी और फोन स्विच ऑफ कर दिया। इसके बाद जब उसने उसके घर वालों को फोन किया तो उन्होंने भी उसके फोन नंबर को ब्लॉक कर दिया।

प्रिया का आरोप है कि कुछ दिन बाद उसके पास नोएडा पुलिस का फोन आया कि उसके खिलाफ शिकायत दर्ज है कि उसने अपने पति व सास को देहरादून में जबरन बंधक बनाकर रखा था। पुलिस जांच के दौरान उसके ऊपर लगाए गए यह आरोप साबित नहीं हुए। इसके बाद वह 28 नवंबर को अपने पति शुभम चौहान के सेक्टर-75 स्थित आवास पर पहुंची तो उसकी नंद शिवानी चौहान ने उसे घर में नहीं घुसने दिया। उसने डॉयल-112 पर कॉल कर पुलिस को मौके पर बुलाया। पुलिस की मौजूदगी में भी ससुराल वालों ने उसके साथ जमकर बदतमीजी की। प्रिया का आरोप है कि उसके पति ने उसे धोखा दिया है और उसकी तमाम ज्वैलरी भी हड़प ली है। पीड़िता ने अपने पति शुभम चौहान,सास अनीता चौहान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

एमडी का फोन हैक कर महिलाकर्मी को दी धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कंपनी के एमडी का फोन हैक कर महिला कर्मी के साथ गाली गलौज, अभद्रता तथा उठवा लेने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज कराया है। सूरजपुर के इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित नारिन लाइफ साइंसेज में कार्यरत दिव्या नारायणी ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि बीते 4 दिसंबर को उसके पास दो अनजान नंबरों से कॉल आई। फोन करने वाले ने उसे भद्दी भद्दी गलियां दी और गलत शब्दों का इस्तेमाल किया। उक्त नंबरों को ब्लॉक करने के बाद उसे कंपनी के एमडी नवीन कुमार सिंह के नंबर से कॉल आई कॉल करने वाले ने उसके साथ गाली गलौज कर अगवा कर उठा लेने की धमकी दी। दिव्यनारायणी के मुताबिक जिस दौरान कंपनी के एमडी के नंबर से उसे फोन आई उसे समय एमडी नवीन कुमार उसके सामने ही बैठे (शेष पृष्ठ-3 पर)

अगले वर्ष से नोएडा क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल!

- फ्लड लाइट, वीआईपी बॉक्स, इलेक्ट्रॉनिक स्कोर बोर्ड व अन्य कार्य कराने की कवायद तेज
- अगले वर्ष आईपीएल कराने की है तैयारी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा स्टेडियम के निर्माण में हुए घोटाले के बाद धूमिल हुई छवि को अब नोएडा प्राधिकरण सुधारने में जुट गया है। इसी कवायद के तहत अब सेक्टर-21ए स्थित नोएडा क्रिकेट स्टेडियम की खामियों को दूर करके इसे अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए तैयार किया जा रहा है। ताकि आईपीएल जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के क्रिकेट मैच यहां पर अब कराये जा सकें।

नोएडा प्राधिकरण के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि शीघ्र ही क्रिकेट स्टेडियम में फ्लड लाइट व इलेक्ट्रॉनिक स्कोर बोर्ड लगाए जाएंगे। बीसीसीआई तथा आईसीसी मानकों के अनुरूप स्टेडियम को बनाया जाएगा। दर्शकों के लिए 30000 कुर्सियों तथा वीआईपी के लिए 15 बॉक्स बनाए जाएंगे। वहीं पिच के अलावा अन्य खामियों को भी अंतरराष्ट्रीय मानकों के स्तर पर तैयार किया जा रहा है।

प्राधिकरण के सूत्रों के मुताबिक दिसंबर माह के अंत तक अथवा जनवरी के प्रथम सप्ताह में सभी कार्य शुरू कर दिए जाएंगे। सूत्रों का कहना कि यह सभी तैयारियां अगले वर्ष स्टेडियम में आईपीएल मैच शुरू करने के लिए की जा रही है ताकि इस स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप बनाए जा सके।

बता दें कि नोएडा क्रिकेट स्टेडियम समाजवादी पार्टी के शासनकाल में ही तैयार हो गया था। लेकिन जल्दीबाजी में फ्लड लाइट इलेक्ट्रॉनिक स्कोर बोर्ड समेत अन्य खामियां रह गई थी। जिसकी वजह से आईपीएल जैसे मैच नहीं हो पा रहे थे। प्राधिकरण ने इन सभी खामियों को दूर करने का अभियान शुरू कर दिया गया है

बता दें कि वर्ष 2010 2011 में नोएडा क्रिकेट स्टेडियम के लिए 60 करोड रुपए का टेंडर जारी किया गया था। इसका निर्माण पूरा करने के लिए 300 करोड़ रुपए व्यय किए गए थे। लेकिन इसमें घोटाले की शिकायत के बाद वर्ष 2015 में तात्कालिक मुख्य अभियंता यादव सिंह पर लगे भूमिगत केबल घोटाले के आरोप के साथ-साथ स्टेडियम घोटाले की भी एफआईआर दर्ज की गई थी।

इसके बाद से स्टेडियम का अधूरा कार्य शुरू नहीं हो सका था। लेकिन अब नए सीईओ डॉक्टर लोकेश एम ने नोएडा स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाने का प्रयास शुरू कर दिया है।

बिजली की केबल डाल रहे विद्युत कर्मियों पर हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर क्षेत्र के ग्राम नगलिया में विद्युत खंबों पर केबल डाल रहे कर्मियों के साथ कुछ ग्रामीणों ने मारपीट की। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। विद्युत कर्मियों की शिकायत पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

जनपद अमरोहा निवासी गोपी सिंह ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि वह विद्युत विभाग के आरडीएसएस योजना के तहत नगलिया गांव में बिजली के खम्बो पर एबीसी केबल डाल रहे थे। इस दौरान गांव के ही सुमित, नरेश व सोहनलाल मौके पर पहुंचे। इन लोगों ने केबल डाल रहे कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज करनी शुरू कर दी और काम रुकवा दिया। कर्मचारियों ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने लाठी डंडों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट की इस घटना में उसे तथा इमरान को काफी चोट आई। झगड़ा होता देखकर गांव के अन्य लोग मौके पर पहुंचे इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

जातीय गणना बेअसर

जातीय गणना का मुद्दा, राज्यों के चुनाव में, फ्लॉप रहा। हालांकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का अनुसरण करते हुए जातीय गणना का मुद्दा खूब उछाला गया। यहां तक वायदा किया गया कि 2024 में केंद्र में विपक्ष की सरकार बनी, तो राष्ट्रीय स्तर पर जातीय गणना कराई जाएगी। इस पर आरक्षित जमात के युवाओं ने भी कांग्रेस को समर्थन नहीं दिया। हालांकि विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन में जातीय गणना को 'तुरुप के पत्ते' के तौर पर ग्रहण किया गया था, लेकिन बिहार के अलावा किसी अन्य राज्य में जातिगत सर्वे नहीं कराए गए। कांग्रेस ने मप्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनावों में इस मुद्दे पर खूब शोर मचाया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे समेत कई पार्टी नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को 'नकली ओबीसी' करार दिया था, लेकिन चुनावों ने साबित कर दिया कि जनादेश महज जाति के आधार पर हासिल नहीं किए जा सकते। प्रधानमंत्री ने भी जनादेश के बाद विपक्ष पर आरोप चस्पा किया कि मतदाताओं को जातियों में बांटने की कोशिशें की गईं। उन्हें लाभ के झांसे दिए गए, लेकिन उन जातियों ने ही कांग्रेस को खारिज कर दिया, जिन्हें पार्टी का 'परंपरागत जनाधार' माना जाता रहा है। इनमें आदिवासी, दलित, ओबीसी और मजदूर वर्ग आदि का उल्लेख किया जा सकता है। इन समुदायों ने भाजपा के पक्ष में भर-भर कर वोट दिए। जनादेश सामने हैं। जातियों की बात होती है, तो पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह का चेहरा सामने आ जाता है। उन्होंने अपने प्रधानमंत्री-काल में मंडल आयोग की रपट लागू की थी, जिसके तहत हजारों पिछड़ी जातियों को आरक्षण मिलना तय हुआ था। यह आरक्षण आज भी जारी है। तब वीपी सिंह को 'सामाजिक न्याय का मसीहा' माना गया। आज भी तमिलनाडु की द्रमुक सरकार ने वीपी सिंह की प्रतिमा स्थापित की है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने उसका अनावरण किया था और अपने राज्य में 'सामाजिक न्याय' की राजनीति को आधार देने की कोशिश की है, लेकिन 'मसीहा प्रधानमंत्री' का 1991 के लोकसभा चुनाव में सूपड़ा ही साफ हो गया। पिछड़ों ने लालू, नीतीश और मुलायम सरीखों की तो सियासत चमका दी, लेकिन वीपी सिंह को राष्ट्रीय जन-समर्थन क्यों नहीं मिला, यह सवाल आज भी अनुत्तरित है। जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी से लेकर डॉ. मनमोहन सिंह तक कांग्रेसी प्रधानमंत्रियों ने 'जातीय सर्वे' को महत्त्व क्यों नहीं दिया? परोक्ष रूप से खारिज ही क्यों करते रहे? क्या राहुल गांधी के दौर की कांग्रेस की सोच, 'जातीय राजनीति' पर, अपने पूर्वजों से भिन्न है? उन्हें चुनावी समर्थन क्यों नहीं मिला? ये भारतीय राजनीति के अहम सवाल हैं। उत्तर भारत में हिमाचल को छोड़ कर सभी प्रमुख राज्यों में अब भाजपा काबिज है। बिहार और झारखंड कुछ दूर के राज्य हैं, लेकिन वहां भी सत्ता-विरोधी लहर प्रबल है। इसका प्रत्यक्ष लाभ भाजपा को 2024 के आम चुनाव में होगा, क्योंकि वे भी 3-4 महीने ही दूर हैं। विपक्षी गठबंधन के घटक दल भी, मौजूदा जनादेश पर, कांग्रेस को लेकर ही टिप्पणियां करने लगे हैं कि कांग्रेस 'जमीनी राजनीतिक हकीकत' को पढ़ नहीं पा रही है। इस तरह 2024 के आम चुनाव में भाजपा को कैसे पराजित किया जा सकता है? अलबत्ता वे खडगे द्वारा बुलाई गई विपक्ष की बैठक में जरूर शिरकत करेंगे। हालांकि वह बैठक संसद के शीतकालीन सत्र पर विमर्श करने को बुलाई गई है। जातीय गणना के संदर्भ में यह सवाल मौजू है कि आखिर इसे क्यों कराया जाए? यदि इसे जनगणना का एक हिस्सा माना जाए, तो केंद्र सरकार ही करवा सकती है। यदि आबादी के मुताबिक हिस्सेदारी तय होनी है और बिहार की तर्ज पर आरक्षण की सीमा 75 फीसदी करनी है, तो यह सरासर 'असंवैधानिक' है। जिस दिन बिहार आरक्षण का मामला सर्वोच्च अदालत के सामने जाएगा, तो न्यायिक पीठ उसे खारिज कर देगी। उस आरक्षण का लाभ जिन्हें मिला होगा, वह भी खारिज कर दिया जाएगा। तो जातियों की हिस्सेदारी का क्या होगा? आरक्षण के अलावा जातीय गणना का कोई और प्रयोजन नहीं हो सकता।

राजस्थान में जनता ने कांग्रेस को सबक सिखाया

राजस्थान में कांग्रेस की हार के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस्तीफा दे दिया है और राज्यपाल कलराज मिश्र ने उनको अगली सरकार बनने तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने को कह दिया है। गहलोत के इस्तीफे का कारण यही है कि राजस्थान में राज बदल गया मगर रिवाज नहीं बदला। राज बदलते ही मुख्यमंत्री का इस्तीफा वाजिब था। हालांकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कह रहे थे कि न तो राजस्थान में राज बदलेगा और रिवाज भी नहीं बदलेगा। उनका मतलब था कि कांग्रेस की सरकार फिर आएगी और हर पांच साल में सत्ता परिवर्तन का जो रिवाज है वह इस बार बदल जाएगा। मगर, ऐसा नहीं हो सका। राजनीति में वैसे भी नेता के मन का होता कहां है, होता तो आखिर वही है जो जनता चाहती है। जनता ने चाहा और राज बदल गया। कांग्रेस चली गई, और गहलोत भी जा रहे हैं। नई सरकार के शपथ लेते ही वे भी भूतपूर्व हो जाएंगे।

राजस्थान के राजनीतिक परिदृश्य को सही मायने में देखा जाए तो विधानसभा चुनाव के नतीजों में कुछ भी नया नहीं है। तीन दशक से राजस्थान में हर पांच साल में सरकार को घर बिठाने की परंपरा रही है। एक बार कांग्रेस तो दूसरी बार बीजेपी। बारी-बारी से दोनों पार्टियों को लोग सरकार में लाते रहे हैं। हालांकि, राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में अपने तीसरे कार्यकाल में गहलोत ने समाज के हर वर्ग के लिए सरकार के खजाने खोल कर कुछ अलग तरह की जादूगरी दिखाने के सारे प्रयास किए, लेकिन उनके मंत्रियों व विधायकों के भ्रष्टाचार के कारण उनका जादू हर स्तर पर लगातार फेल होता ही नजर आया। हालांकि, गहलोत हर संभव कोशिश करते रहे। सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देकर एक बड़े वर्ग को साधने के लिए सरकार के दांव को परफेक्ट समझना कहीं न कहीं बड़ी गलती रही, क्योंकि सरकारी कर्मचारियों ने ही उनको वोट नहीं दिया। फिर महिला सशक्तिकरण के नाम पर योजनाओं और धन लक्ष्मी जैसी योजनाओं का भी असर ग्राउंड स्तर पर ज्यादा लाभकारी साबित नहीं हो सका, क्योंकि सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने वाले कार्यकर्ता कांग्रेस के पास नहीं थे। सही मायने में देखें, तो जनता को जो सबसे बड़ा लाभार्थी तबका, जिसको लेकर कांग्रेस आश्वस्त थी कि वह उसी को वोट देगा, वही साथ छोड़कर बीजेपी के साथ खड़ा हो गया और कांग्रेस उसे समझ भी नहीं सकी।

राजस्थान में कांग्रेस के 30 विधायक कम पड़ गए हैं। पिछली विधानसभा में 99 थे मगर अब 69 ही जीते हैं। खास बात यह है कि कांग्रेस सरकार के 17 मंत्रियों सहित मुख्यमंत्री के 5 सलाहकार भी चुनाव हार गए हैं। ये सभी 17 मंत्री, गोविन्द राम मेघवाल, भंवर सिंह भाटी, रमेश मीणा, परसादी लाल मीणा, विश्वेन्द्र सिंह, प्रताप सिंह खाचरियावास, ममता भूपेश, शकुंतला रावत, राजेंद्र यादव, बीडी कल्ला, सालेह मोहम्मद, राम लाल जाट, सुखराम विश्नोई, उदयलाल आंजना, जाहिदा खान, प्रमोद जैन भाया और भजन लाल जाटव राजस्थान सरकार में काफी महत्वपूर्ण विभाग के मुखिया थे तथा गहलोत सरकार के ताकतवर नेता थे। मगर प्रदेश की जनता ने उन्हें हरा दिया। इनके अलावा विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी और पूर्व मंत्री रघु शर्मा भी चुनाव हार गए। यह बेहद चौंकाने वाली बात है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की जो सरकार अपने विकास व जनसेवा के कार्यों को जबरदस्त अभियान के तहत जनता तक ले गई, उसी सरकार के 17 मंत्री, 5 सलाहकार व दस बड़े नेता चुनाव हार गए।

देखा जाए, तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने इस बार के 5 साल के कार्यकाल में सबसे पहले तो अपने साथी सचिन पायलट से जूझते रहे, फिर लगभग डेढ़ साल तक कोरोना से जूझे, एक के बाद एक घोषणाओं और योजनाओं के दौर चले। जमता को अपनी योजनाओं से लाभ पहुंचाने की कोशिश करते हुए वे अपनी सरकार बचाने के भी हर कोशिश करते रहे। इसे इन शब्दों में भी कहा जा सकता है कि गहलोत ने एक तरह से अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया, जिसके लिए उन्होंने सरकारी खजाने के खाली होने की भी परवाह नहीं की। खासकर एक के बाद एक योजनाओं के जरिए महिला सशक्तिकरण और पिछड़े इलाकों के विकास के लिए जमीनी स्तर पर काम भी बहुत बड़े पैमाने पर किया गया। मगर कांग्रेस को समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर उससे चूक कहां हो गई, जो राजस्थान की जनता उसके बजाय बीजेपी को बहुमत देकर उसके साथ खडी हो गई। राजस्थान में कांग्रेस को सत्ता से खदेड़ने के कारण तलाशे जा रहे हैं। क्या कांग्रेस की अंदरूनी कलह पार्टी के लिए बुरी हार का कारण बनी, या पार्टी का लचर संगठन हारने के लिए जिम्मेदार रहा, या फिर राज्य की जनता को नए नेतृत्व की चाह थी। क्या बाबा बालकनाथ के नाम पर यूपी की तरह राजस्थान में भी योगी फैक्टर चला या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति जनता का अटूट विश्वास था और या फिर वसुंधरा राजे पर एक बार फिर लोगों ने विश्वास जताया। कांग्रेस समझ ही नहीं पा रही है कि उसको सत्ता से बेदखल क्यों होना पड़ा। इन सारे ही सवालों में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर क्यों इतना सब करने के बाद भी कांग्रेस की हालत इतनी खराब हुई। दरअसल कांग्रेस की अंतर्कलह से प्रदेश की जनता खुद ही परेशानी में थी। लगातार 5 साल तक सचिन पायलट के सीएम बनने के सपने ने कांग्रेस को जिस कलह तक पहुंचाया, और गहलोत के कुर्सी बचाने के द्वंद्व को इतना ताकतवर बना दिया कि गहलोत जैसा सहज, सरल व सदाशयी नेता भी जनता को पदलोलुप नजर आने लगा। इस चुनाव से पहले गहलोत की छवि ऐसी कभी नहीं रही। फिर, सबसे बड़ा कारण रहा उनके मंत्रियों व विधायकों के भारी भ्रष्टाचार का, बीजेपी ने हर स्तर पर कांग्रेस के भ्रष्टाचार को लोगों तक पहुंचाया व यह सुनिश्चित किया कि लोग उस हर बात को समझें कि कांग्रेस के भ्रष्ट विधायक जनता को किस तरह से लूट रहे हैं। उधर, सरकार भी जनता के काम व परेशानियों को भूल कांग्रेस के अंदरूनी झगड़े को सुलझाने में वक्त जाया करती रही, इसका सीधा फायदा बीजेपी को हुआ।

राजस्थान के राजनीतिक परिदृश्य को सही मायने में देखा जाए तो विधानसभा चुनाव के नतीजों में कुछ भी नया नहीं है। तीन दशक से राजस्थान में हर पांच साल में सरकार को घर बिठाने की परंपरा रही है। एक बार कांग्रेस तो दूसरी बार बीजेपी।

कांग्रेस की हार का एक जो सबसे बड़ा कारण रहा, वह यह भी कहा जा सकता है कि राजस्थान के चुनाव में पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व का कोई उत्साह नहीं दिखा। राहुल गांधी तो बोलते बोलते अपनी ही पार्टी की सरकार के जाने तक की बात बोल गए थे। हालांकि राहुल के कहने से राजस्थान में वोट नहीं पड़ते, पर वे भी निराशा में प्रचार करने ऐन मौके पर ही पहुंचे। कांग्रेस का प्रचार अभियान जनता में जोर पकड़ ही नहीं सका, क्योंकि उसके सारे बड़े नेता अपनी सीट बचाने में ही उलझे रहे। मगर, चुनाव से कुछ समय पहले लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियों ने भी बीजेपी के पक्ष में जबरदस्त हवा बनाई। जबकि कांग्रेस एक कदम पीछे दिखी और पार्टी के बड़े नेताओं की गैर मौजूदगी लोगों को हर स्तर पर परेशान करती रही और लगने लगा कि कांग्रेस हार रही है, जोकि सही साबित हुआ और राजस्थान में कांग्रेस बुरी तरह हार गई। मगर, सवाल यह है कि इस हार से कांग्रेस कोई सबक लेगी? **-निरंजन परिहार**

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि यह श्री रामप्रताप रूपी सूर्य जिसके हृदय में जब प्रकाश करता है, तब जिनका वर्णन पीछे से किया गया है, वे (धर्म, ज्ञान, विज्ञान, सुख, संतोष, वैराग्य और विवेक) बढ़ जाते हैं और जिनका वर्णन पहले किया गया है, वे (अविद्या, पाप, काम, क्रोध, कर्म, काल, गुण, स्वभाव आदि) नाश को प्राप्त होते (नष्ट हो जाते) हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

भ्रातन्ह सहित रामु एक बारा। संग परम प्रिय पवनकुमारा॥
सुंदर उपबन देखन गए। सब तरु कुसुमित पल्लव नए॥
एक बार भाइयों सहित श्री रामचंद्रजी परम प्रिय हनुमानजी को साथ लेकर सुंदर उपवन देखने गए। वहाँ के सब वृक्ष फूले हुए और नए पत्तों से युक्त थे॥
जानि समय सनकादिक आए। तेज पुंज गुन सील सुहाए॥
ब्रह्मानंद सदा लयलीना। देखत बालक बहुकालीना॥
सुअवसर जानकर सनकादि मुनि आए, जो तेज के पुंज, सुंदर गुण और शील से युक्त तथा सदा ब्रह्मानंद में लवलीन रहते हैं। देखने में तो वे बालक लगते हैं, परंतु हैं बहुत समय के॥
रूप धरें जनु चारिउ बेदा। समदरसी मुनि बिगत बिभेदा॥
आसा बसन ब्यसन यह तिन्हहीं। रघुपति चरित होइ तहँ सुनहीं॥
मानो चारों वेद ही बालक रूप धारण किए हों। वे मुनि समदर्शी और भेदरहित हैं। दिशाएँ ही उनके वस्त्र हैं। उनके एक ही व्यसन है कि जहाँ श्री रघुनाथजी की चरित्र कथा होती है वहाँ जाकर वे उसे अवश्य सुनते हैं॥
तहाँ रहे सनकादि भवानी। जहँ घटसंभव मुनिबर ग्यानी॥
राम कथा मुनिबर बहु बरनी। ग्यान जोनि पावक जिमि अरनी॥
(शिवजी कहते हैं-) हे भवानी! सनकादि मुनि वहाँ गए थे (वहीं से चले आ रहे थे) जहाँ ज्ञानी मुनिश्रेष्ठ श्री अगस्त्यजी रहते थे। श्रेष्ठ मुनि ने श्री रामजी की बहुत सी कथाएँ वर्णन की थीं, जो ज्ञान उत्पन्न करने में उसी प्रकार समर्थ हैं, जैसे अरणि लकड़ी से अग्नि उत्पन्न होती है॥
दो0-देखि राम मुनि आवत हरषि दंडवत कीन्ह।
स्वागत पूँछि पीत पट प्रभु बैठन कहँ दीन्ह॥
सनकादि मुनियों को आते देखकर श्री रामचंद्रजी ने हर्षित होकर दंडवत किया और स्वागत (कुशल) पूछकर प्रभु ने (उनके) बैठने के लिए अपना पीताम्बर बिछा दिया॥

(क्रमशः...)

नए कल्याणकारी राज्य का आगाज

तीन दिसंबर 2023 को हुई मतगणना में जब चार बड़े राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में से तीन में भारतीय जनता पार्टी सत्ता में काबिज होती दिखाई दे रही है, और कांग्रेस को मात्र एक ही राज्य तेलंगाना में जीत हासिल हुई है, राजनीतिक विश्लेषक भारतीय जनता पार्टी द्वारा इस जीत के कारणों का विश्लेषण कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी चुनाव में अक्सर कांग्रेस पार्टी की सांप्रदायिक वोट बैंक, भ्रष्टाचार, वंशवाद आदि की राजनीति के मुद्दे उठाती रही है। राम मंदिर का निर्माण, धारा 370 की समाप्ति, सांप्रदायिक हिंसा (विशेष तौर पर सर तन से जुदा) जैसे मुद्दे काफी मात्रा में चर्चा में रहे। लेकिन इतिहास गवाह है कि चाहे ये मुद्दे भी महत्वपूर्ण रहे हैं, लेकिन यदि कोई पार्टी या सरकार लोगों की भलाई के लिए काम नहीं करती, तो जनता उसे कभी स्वीकार नहीं करती। वोट अनुपात के रूप में भाजपा को मध्य प्रदेश में 48.81 प्रतिशत, राजस्थान में 41.85 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ में 46.35 प्रतिशत वोट मिलना इस बात को दर्शाता है कि पार्टी की केंद्र सरकार की योजनाओं और उनकी उपलब्धियों से जनता संतुष्ट है और इसलिए उसकी सरकार चाहती है। जाहिर है वंशवाद, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक हिंसा के बारे में भी जनता संवेदनशील है और देश में स्वस्थ एवं विकासवादी राजनीति की स्थापना चाहती है। वो वोट बैंक की राजनीति के चलते आर्थिक-सामाजिक वातावरण को दूषित भी नहीं होने देना चाहती।

विकसित भारत बनाने का सपना = भारत का आम जन इस दंश के साथ जी रहा था कि भारत एक गरीब देश है जो अमीर देशों की अकूत संपत्ति, विकसित इंफ्रास्ट्रक्चर, ऊंची आमदनी और उच्च जीवन स्तर का मुकाबला कर ही नहीं सकता। उनके बराबर पहुंचने में हमें कई सदियां भी लग सकती हैं। 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था भी सबसे जर्जर पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। यहां घटते निवेश और लगातार घटती संवृद्धि दर की त्रासदी भी झेल रहा था। लेकिन मात्र 10 वर्षों से भी कम समय में भारत विश्व की दसवीं अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ता हुआ पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था तक पहुंच गया है और अगले तीन सालों से भी कम समय में चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज भारत विश्व की सबसे तेज बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था भी बन चुका है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के पहले 100 वर्ष पूर्ण होने से पहले एक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प देकर देश के आमजन की आकांक्षाओं को नए पंख देने का काम किया है। स्वाभाविक ही है कि इन आकांक्षाओं के मद्देनजर देश की जनता ने भाजपा के नेतृत्व पर अपना भरोसा जताया है, जिसका एक नमूना मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में दिखा।

मुफ्त की योजनाओं को जनता ने नकारा = पिछले कुछ समय से कुछ राज्यों में सरकारों और राजनीतिक दलों द्वारा बड़ी मात्रा में मुफ्त की योजनाओं के दम पर सत्ता पर काबिज होने का प्रयास शुरू हुआ है। उसके कारण उन्हें कुछ हद तक सफलता भी मिलती हुई दिखाई दे रही है। दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी और उसकी सरकारों द्वारा मुफ्त की योजनाओं की झड़ी लगी हुई है। उधर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी इसी प्रकार की मुफ्त की योजनाएं बड़ी मात्रा में चल रही हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि इन योजनाओं को चलाने हेतु इन प्रांत सरकारों के पास पर्याप्त धन की भारी कमी है जिसके कारण वे एक ओर तो भारी कर्ज में डूबते जा रहे हैं, तो दूसरी ओर इन मुफ्त की योजनाओं के कारण वे आवश्यक मदों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आमजन को सशक्त बनाने वाली अन्य योजनाओं पर खर्च भी नहीं कर पा रहे हैं। इन चुनावों में भी दलों ने इन मुफ्त की योजनाओं की काफी घोषणाएं की। कांग्रेस पार्टी ने मध्य प्रदेश में किसानों के कर्ज माफ करने के अलावा मुफ्त बिजली, गैस सिलेंडर की सब्सिडी, महिलाओं को 1500 रुपए प्रतिमाह, युवाओं को 3000 रुपए बेरोजगारी भत्ते के अलावा कई अन्य मुफ्त की स्कीमों की घोषणा की। इसी तरह से राजस्थान में पहले से ही कांग्रेस सरकार महिलाओं को स्मार्टफोन, सस्ता सिलेंडर, 25 लाख रुपए तक के इलाज के लिए फ्री मेडिकल बीमा, एक करोड़ परिवारों को फ्री फूड पैकेट आदि की योजनाएं तो चला ही रही थी, इस चुनाव में कांग्रेस ने पहले की मुफ्त की योजनाओं के साथ-साथ फ्री लैपटॉप, फ्री बिजली आदि की भी घोषणा की थी। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन मुफ्त की योजनाओं को गलत मानते हैं और इसे रेवड़ी बांटने की संज्ञा देते हैं। इसके बावजूद भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकारों ने काफी बड़ी मात्रा में कई मुफ्त की योजनाओं को चलाया है, जिसमें उज्जवला लाभार्थियों और आमजन को सस्ता सिलेंडर देना, राजस्थान में 12वीं कक्षा पास करने के बाद लड़कियों को फ्री स्कूटी देना आदि की घोषणा भी शामिल है। लेकिन यह भी सच है कि फ्री बिजली, फ्री पानी और फ्री यात्रा आदि की योजनाओं से भाजपा ने हमेशा परहेज रखा है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि रेवडिया बांटने और नई रेवडियों की घोषणा के बावजूद मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस जीत नहीं पाई और भारतीय जनता पार्टी को जनता का समर्थन प्राप्त हुआ।

कल्याणकारी राज्य की परिभाषा बदली:

अभी तक रोजगार योजनाओं के माध्यम से पैसे बांटने, मुफ्त या सस्ती बिजली-पानी, पेट्रोल, डीजल और गैस पर सब्सिडी, सस्ता राशन, शिक्षा और स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च आदि को ही कल्याणकारी राज्य की इतिश्री मान लिया जाता था। लेकिन पिछले 9 सालों से अधिक के दौरान कल्याणकारी राज्य की परिभाषा बदली है और उसमें सुधार होता दिखाई दे रहा है, जिसे जनता का समर्थन भी प्राप्त हुआ है। सबसे पहले आवास योजना में आमूल-चूल परिवर्तन के माध्यम से प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए, आवास योजना पर खर्च की वास्तविकता को सुनिश्चित करने का प्रयास हुआ है। मात्र कुछ ही सालों में लगभग 3 करोड़ घरों का निर्माण हुआ जिसमें 5 लाख करोड़ रुपए केन्द्र सरकार द्वारा दिए गए और 15 लाख करोड़ रुपए स्वयं लाभार्थियों ने खर्च कर, ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में अपने लिए बेहतर घरों का निर्माण किया, और बेहतर जीवन का आनंद लेना शुरू किया। एक करोड़ अतिरिक्त घरों का निर्माण भी विभिन्न चरणों में है। उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ गरीब महिलाओं को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन दिया गया और बाद में उन गरीब महिलाओं द्वारा अपने खर्चे पर उन सिलेंडरों को रिफिल कर अपनी सुविधा को बढ़ाया गया। आज एक वर्ष में उज्जवला लाभार्थी तीन से अधिक सिलेंडर औसतन भरवाती हैं। इससे उनके स्वास्थ्य की रक्षा भी हुई है और समय की बचत भी। देश में लगभग सभी गांवों तक बिजली पहुंचाने से जीवन स्तर में सुधार तो हुआ ही है, संचार और इंटरनेट क्रांति को देशभर में ले जाने में भी सफलता मिल रही है। सभी घरों में नल से जल का लक्ष्य भी पूर्ण होने को तैयार है जिससे महिलाओं को दूर से जल लाने नहीं जाना पड़ता और उनके समय की बचत हो रही है। हर घर में शौचालय बनने से खुले में शौच जैसे अभिशाप से मुक्ति हुई है, जिसके चित्र दिखाकर भारत को पिछड़ा दिखाने का प्रयास विदेशी अक्सर किया करते थे। महिलाएं आज सम्मान से जी रही हैं। प्राथमिक चिकित्सा में सुधार और सबसे महत्वपूर्ण आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज, कम साधन संपन्न लोगों के लिए एक वरदान सिद्ध हो रहा है। देखा जाए तो ये सभी योजनाएं लक्षित लाभार्थियों के लिए हैं। अभी तक ये लाभार्थी इन सुविधाओं से वंचित थे और पूर्व में राजनीतिक दल उनकी गरीबी, अभाव और बेरोजगारी को दूर करने के छलावों के साथ, उनके वोट बटोर लिया करते थे। लेकिन अब इन लाभार्थियों ने पिछले 9-10 सालों में सरकार की मदद और स्वयं के प्रयासों से इन अभावों से कुछ हद तक मुक्ति पाई है। इस तरह कल्याणकारी राज्य की परिभाषा बदल गई है।

-डा. अश्वनी महाजन
कालेज प्रोफेसर

राशिफल

कार्तिक शुक्ल पक्ष-नवमी (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मन की परेशानी, जो उलझन थी, वह थोड़ी-सी कमी आएगी। शत्रुओं पर दबदबा कायम करेंगे।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
नकारात्मक भय सताएगा। स्वास्थ्य ठीक-ठाक, प्रेम-संतान मध्यम और व्यापार सही चलता रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
घरेलू सुख बाधित होगा। घरेलू चीजों को बहुत शांत होकर निपटाएं। उग्रता पर काबू रखें।

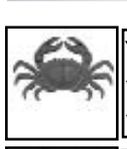

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
नाक-कान और गला की परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
मुख रोग के विकार हो सकते हैं। कुटुम्बों में अनबन की स्थिति, धन हानि की स्थिति, स्वास्थ्य मध्यम।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। मानसिक स्वास्थ्य ज्यादा प्रभावित रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। सिर दर्द, नेत्र पीड़ा इत्यादि की परेशानी होगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
धन का आवक अचानक बढ़ सकता है और अचानक घट सकता है। मतलब एक जो थोड़ी-सी बैलेंस बननी चाहिए

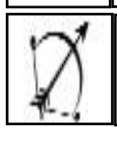

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
व्यापारिक दृष्टिकोण से उतार-चढ़ाव बना रहेगा। कोर्ट-कचहरी में असमंजस की स्थिति रहेगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
अपमानित होने का भय रहेगा। स्वास्थ्य थोड़ा-सा ऊपर-नीचे लगा रहेगा। प्रेम-संतान ठीक-ठाक और व्यापार भी ठीक रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकता है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। बचकर पार करें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
अपने स्वास्थ्य और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। मध्यम समय कहा जाएगा। प्रेम-संतान भी मध्यम रहेगा।

आज हरौला में भाजपा के विकसित भारत संकल्प यात्रा रथ का नोएडा पहुंचने पर स्वागत करते भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष ओमवीर आवाना, ओबीसी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष जयप्रकाश प्रजापति तथा अन्य भाजपा कार्यकर्ता।

भाकियू मंच ने कमिश्नर व डीएम को दिया ज्ञापन

10 फीसदी भूखंड न देने की भी जांच करे एसआईटी : अशोक चौहान

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन मंच के 9 सदस्य प्रतिनिधि मंडल ने गौतम बुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट ऑफिस सूरजपुर पहुंचकर पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह को ज्ञापन दिया। दूसरा ज्ञापन जिला कलेक्ट्रेट सूरजपुर पहुंच कर जिलाधिकारी के नाम का ज्ञापन अपर जिला अधिकारी नितिन मदान को दिया।

भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण किसानों के साथ बार-बार लिखित समझौते करता है और फिर लिखित समझौते पर अमल नहीं करता है जिसके कारण किसानों के अंदर भारी रोस नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ बढ़ता जा रहा है। पूर्व में पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन ने भी किसानों की समस्या के समाधान में सहयोग करने का आश्वासन दिया था और सहयोग से ही लखनऊ में नोएडा प्राधिकरण के चैयरमैन से मीटिंग कराई थी। 2 नवंबर

2023 को नोएडा प्राधिकरण की 212 वी बोर्ड बैठक में किसानों को 10 प्रतिशत प्लॉट या धनराशि देने का निर्णय बोर्ड बैठक में रखा लेकिन इसमें भी शब्दों का खेल नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने किया।

भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान ने पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह एवं गौतमबुद्ध नगर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा से मांग की है की नोएडा प्राधिकरण में किसानों को दिए गए मुआवजे की जांच एसआईटी कर रही है लेकिन किसानों से भूमि अधिग्रहण करते समय नोएडा प्राधिकरण ने किसानों से करार किया था कि आपकी भूमि अर्जित करने के बाद सभी किसानों को 10 प्रतिशत के प्लॉट दिए जाएंगे लेकिन नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव के किसानों को 10 प्रतिशत के प्लॉट नहीं दिए जा रहे हैं। यह भी नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का महा घोटाला है। किसानों का यह पक्ष भी एसआईटी के सामने रखा जाए और भू अर्जन की शर्तों का पालन कराया जाए।

इस अवसर पर किसान यूनियन मंच के संरक्षक सुरेंद्र प्रधान,चमन प्रधान,कालू प्रधान चरण सिंह प्रधान मीडिया प्रभारी अशोक चौहान ,राष्ट्रीय महासचिव गौतम लोहिया , यूथ विंग प्रवक्ता विमल त्यागी सोनू चपराना,मूले चौहान आदि किसान मौजूद रहे।

सुनसान जगह पर लूटते थे मोबाइल

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर पुलिस ने दो साथी लुटेरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी सुनसान रास्तों पर राहगीरों से मोबाइल लूटने की घटनाओं को अंजाम देते थे उनके पास से वारदात में प्रयुक्त बाइक व लूटे गए 7 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस कस्बा सूरजपुर स्थित सब्जी मंडी के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मुखबिर के इशारे पर पुलिस ने बाइक सवार दो युवकों को रोकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार भाग निकले। संदेह के आधार पर पुलिस ने पीछा कर दोनों बाइक सवारों को दबोच लिया। तलाशी में उनके पास से 7 मोबाइल फोन बरामद हुए। पकड़े गए बाइक सवारों ने स्वीकार किया कि उक्त मोबाइल फोन लुटे हुए हैं। पूछताछ में लुटेरों ने अपना नाम गौरव मिश्रा उर्फ गोलू पुत्र मुन्ना मिश्रा व सौरभ पुत्र अनिल कुमार बताया। दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वह बाइक से राह चलते लोगों से मोबाइल लूटने की घटनाओं को अंजाम देते हैं।

मोबाइल चोर पकड़े

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा अलग-अलग स्थान से चोरों ने दो मोबाइल फोन चोरी कर लिए पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। कस्बा सूरजपुर में रहने वाले महावीर शर्मा ने दर्ज शिकायत में बताया कि उसकी कस्बे में ही परचून की दुकान है बीते दिनों उसने दुकान की फ्रिज पर अपना फोन चार्जिंग के लिए रखा हुआ था इस दौरान वह दुकान के बाहर साफ सफाई कर रहा था इस दौरान किसी की अज्ञात व्यक्ति ने उसका मोबाइल फोन चोरी कर लिया। काफी तलाश में पर भी मोबाइल के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली।

वहीं थाना सेक्टर-63 में हार्दिक मिश्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह बीते चार दिसंबर को सेक्टर 63 स्थिति कंपनी आया था इस दौरान उसका मोबाइल फोन किसी व्यक्ति ने चोरी कर लिया पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और चोरी गए फोनो को बरामद करने का प्रयास कर रही है।

पृष्ठ एक के शेष....

हत्या से राजस्थान...

जयपुर के श्यामनगर में राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की बदमाशों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दिए जाने के मामले को लेकर आज सुबह सीकर जिला मुख्यालय स्थित रामलीला मैदान में राजपूत समाज सहित सर्वसमाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्र हुए। साथ ही सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या पर आक्रोश जताते हुए हत्या करने वाले आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दिए जाने की मांग की गई।

आक्रोशित लोगों ने इस संबंध में पुलिस पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस की लापरवाही की वजह से सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या हुई है। रामलीला मैदान एकत्र होने के बाद सभी युवा सीकर के बाजारों की ओर बंद करवाने निकल पड़े।

राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी समेत दो लोगों की हत्या के बाद से आज राजस्थान में तनाव का माहौल है। प्रदेश भर में सर्व समाज समेत अन्य कई समाज के प्रतिनिधियों ने पूरे प्रदेश में बंद का आह्वान किया है। इस आह्वान का असर दिखना शुरू हो गया है। प्रदेश भर के अधिकतर जिलों में स्कूल कॉलेज बंद होने की सूचनाएं आ रही हैं।

स्कूली छात्रों के परिजनों को बंद का मैसेज देर रात से ही भेजा गया है, यहां तक की कई स्कूलों में शिक्षकों तक को नहीं बुलाया गया है। इस बीच डीजीपी उमेश मिश्रा ने आज प्रदेश भर में जनता से शांति की अपील की है। साथ ही प्रदेश भर में पुलिस की तमाम एजेंसियों को अलर्ट कर दिया है। पूरे प्रदेश भर में अस्सी हजार से भी ज्यादा पुलिसकर्मी आज सड़कों पर ड्यूटी कर रहे हैं।

गोगामेड़ी की हत्या से गुस्साए लोगों नें जयपुर, जोधपुर, अलवर समेत कई जगहों पर प्रदर्शन की खबरें सामने आई हैं। इसके अलावा चुरु में सरकारी बस पर भी पथराव किया गया। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना और राजस्थान के अन्य संगठनों ने सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में बुधवार (6 दिसंबर) को राज्यव्यापी बंद का ऐलान किया है। उनकी मांग की हत्यारों का एनकाउंटर किया जाए।

हत्याकांड में बड़ा खुलासा

राजस्थान में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड में एक बड़ा खुलासा हुआ है। पंजाब की बठिंडा जेल में बंद गैंगस्टर संपत नेहरा (लॉरेंस बिश्नोई गैंग) द्वारा इस हत्याकांड की साजिश रची थी। पंजाब पुलिस से इस तरह की सूचना राजस्थान पुलिस को मिली है।

20 सेकेंड में मारी...

में से एक युवक अचानक उठा और सुखदेव को गोली मार दी।

बिना समय गंवाए दूसरे युवक ने भी फायरिंग शुरू कर दी। सुखदेव को जैसे ही गोली लगी तो उनके शरीर से खून की धार निकलनी शुरू हो गई। वहां मौजूद सुखदेव के बॉडीगार्ड कुछ समझ पाते कि तभी दोनों युवकों ने नवीन शेखावत पर भी फायरिंग कर दी. पूरा कमरा गोलियों की आवाज से गूंज पड़ा. फायरिंग के दौरान गोगामेड़ी के गार्ड ने उन्हें बचाने की कोशिश भी की। लेकिन बदमाशों ने उस पर भी फायरिंग कर दी. जाते समय भी एक बदमाश ने गोगामेड़ी के सिर में गोली मार दी। फिर दोनों बदमाश वहां से भागने लगे। इस दौरान सुखदेव के गार्ड्स ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो बदमाशों ने उन पर भी फायरिंग की जिस कारण गार्ड अजीत सिंह भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

फायरिंग के बाद दोनों बदमाश दौड़ते हुए एक गली से निकले और एक कार को रोकने की कोशिश की. वो चाहते थे कि उस कार में सवार होकर वे वहां से कहीं दूर भाग जाएं. कार सवार को उन्होंने दूर से ही पिस्तौल दिखाई ताकि वो गाड़ी को रोक दे. लेकिन कार सवार ने गाड़ी नहीं रोकी और वहां से वह तेजी से निकल गया. इसके बाद बदमाशों ने स्कूटी सवार को अपने निशाने पर लिया. उन्होंने सोचा कि अगर ये मौका हाथ से गंवाया तो शायद वे पकड़े जाएं. उन्होंने फिर स्कूटी सवार को गोली मार दी गई. जिसके बाद वह भी घायल हो गया. इसके बाद बदमाशों ने उसकी स्कूली ली और उसमें सवार होकर वहां से फुर्र हो गए.

वहीं, खून से लथपथ हालत में सोफे पर पड़े गोगामेड़ी को इलाज के लिए तुरंत मेट्रो मास अस्पताल ले जाया गया. लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी. डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. खबर फैली तो पूरे राजस्थान में हंगामा मच गया. सूचना मिलने पर श्याम नगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची. गोगामेड़ी के संगठन से जुड़े लोगों ने अस्पताल के बाहर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया. उन्होंने पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करते हुए मानसरोवर में सड़कें अवरुद्ध कर दीं.

जयपुर के पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने इस केस पर तुरंत एक्शन लेने को कहा. पुलिस वाले सुखदेव के घर पहुंचे. जहां उन्होंने सीसीटीवी बरामद किया. इसमें पूरी वारदात दिखी. कैसे बदमाशों ने 20 सेकंड के अंदर सुखदेव को 6 गोलियां मारीं. तो वहीं नवीन को भी गोरी मारकर मौत के घाट उतार दिया. हत्यारे नवीन के साथ जिस स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार होकर आए थे वो वहीं थी. पुलिस वालों ने उस कार से एक बैग, शराब की बोतल और खाली गिलास बरामद किए. घटना के बाद एफएसएल टीम की मदद से फायरिंग वाली जगह यानी मौका-ए-वारदात से तमाम तरह के सुबूत जुटाए गए.

विकसित भारत संकल्प...

भाजपा नेत्री गिरिजा सिंह, महेश अवाना, विनोद शर्मा, मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर, भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष रामनिवास यादव, ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष उमेश पहलवान, उपाध्यक्ष जयप्रकाश प्रजापति, मंडल अध्यक्ष लोकेश कश्यप, हरौला के पूर्व प्रधान वेद प्रकाश, नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्कल एक के वरिष्ठ प्रबंधक डोरी लाल वर्मा समेत आसपास के क्षेत्र के सैकड़ों लोग महिलाएं, बच्चे तथा भाजपा की कार्यकर्ता मौजूद थे।

एमडी का फोन हैक ...

हुए थे और उनका मोबाइल फोन टेबल पर ही रखा हुआ था। दिव्या नारायणी ने बताया कि आरोपियों ने उनकी कंपनी के एमडी का भी फोन हैक कर रखा है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सर्विलांस सेल का सहारा लिया जा रहा है।

वकील ने गायब...

बुला लिया कुछ देर बाद जब वह कार्यालय में आए तो अधिवक्ता रोहित उसके चाचा कमल सिंह वहां पर नहीं थे। टेबल पर रखी पत्रावली भी गायब थी। काफी खोजने पर भी पत्रावली नहीं मिली तो पता चला कि अधिवक्ता रोहित पत्रावली को अपने साथ ले गए हैं। उसने जब उनसे पत्रावली मांगी तो उन्होंने लौटने से इनकार कर दिया। पेशकार संजीव कुमार ने बताया कि उसने इसकी सूचना जनपद न्यायाधीश को दी।

थाना प्रभारी ने बताया कि पेशकार की शिकायत पर अधिवक्ता उसके चाचा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

छोटी-छोटी पुड़ियों...

गए आरोपियों ने अपने नाम देवेंद्र शर्मा पुत्र उमेश शर्मा निवासी जनपद मधुबनी बिहार व बंटी पुत्र हरिश्चंद्र निवासी ग्राम भरतरी जनपद अलीगढ़ बताया पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह सस्ते दामों में गांजा खरीद कर उसकी छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर पीजी में कॉलेज के आसपास छात्रों में युवाओं को बैचते हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों से बरामद बाइक पर नंबर प्लेट नहीं लगी हुई थी चेचिस नंबर को जब एप पर डालकर चेक किया गया तो पता चला कि उक्त बाइक चोरी की है चोरी की बाइक की रिपोर्ट थाना पानीपत सिटी में दर्ज है। आरोपियों ने बताएं कि वह चोरी की बाइक पर गांजा तस्करी करते थे आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है।

ससुरालियों की...

शादी के कुछ समय बाद ही उसकी बेटी को सुनील, उसकी मां कमला दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। इस बात की जानकारी मिलने पर उसने अपने रिश्तेदारों के साथ मिलकर सुनील व उसके परिजनों को समझा बूझकर मामला शांत कराया। कुछ दिन बाद सुनील उसकी बेटी ममता को अपने साथ नोएडा ले आया और पूरे परिवार के साथ यही रहने लगा।

मंसाराम का आरोप है कि सुनील व उसके ससुराली उसकी बेटी के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते थे और दहेज को लेकर अक्सर उसके साथ मारपीट करते थे। बीते 3 दिसंबर को सुनील कुमार और उसकी मां कमला तथा सुरेंद्र ने उसकी बेटी के साथ मारपीट की। 4 दिसंबर को उसे सूचना मिली कि उसकी बेटी ममता की मौत हो गई है। मंसाराम के मुताबिक पति व ससुराल वालों की प्रताड़ना से परेशान होकर उसकी बेटी ने आत्महत्या कर ली। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है ।

दहेज में चार पहिया...

आरती ने दहेज की मांग थी। शुरुआत में इन लोगों ने उसके पिता से शादी के अवसर पर कार दिए जाने की बात कही थी लेकिन ऐन मौके पर उसके ससुराल वाले नगद रुपए की मांग करने लगे। जिस पर उन्हें कार खरीदने के लिए 15 लाख 51000 रूपये नगद कन्यादान के अलावा दिया गया था। मंजू के मुताबिक शादी के कुछ समय पश्चात ही उसके पति करण नागर तथा ससुराल वालों ने उसे पर मायके से कार लाने का दबाव डालना शुरू कर दिया। इसके अलावा उसे पर 15 लाख रुपए भी मायके से लाने का दबाव डाला जाने लगा। उसने जब मायके से पैसे और कार लाने से इनकार कर दिया तो उसे प्रताड़ित किया जाने लगा।

यह बात जब उसके मायके वालों को पता चली तो उसकी शादी की सालगिरह पर उन्होंने लोन कराकर एक स्विफ्ट गाड़ी करण नागर को दी। इसके बाद भी ससुराल वालों की दहेज की भूख शांत नहीं हुई और वह लगातार उस पर मायके से पैसे लाने का दबाव डालते रहे। पैसों की मांग पूरी न होने पर उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। जिस कारण उसका अप्रैल वर्ष 2021 में अनचाहा गर्भपात हो गया। अगस्त माह वर्ष 2023 के अंतिम सप्ताह में उसका पति उसे सेक्टर-143 में किराए के फ्लैट में ले आया। इस दौरान ससुराल वालों ने उसके जेवरात यह कहकर अपने पास रख लिए किकिराये के घर में जेवरात सुरक्षित नहीं रहेंगे। सेक्टर-143 में छोड़कर उसका पति वापस नहीं लौटा। उसने मकान का किराया देने से भी इंकार कर दिया। मंजू का आरोप है कि ससुराल वालों ने उसे मानसिक व शारीरिक प्रताड़ित करने के साथ-साथ उसके सभी जेवरात छल कपट पूर्वक अपने पास रख लिये।

वहीं थाना सेक्टर-39 में कुलेसरा निवासी रिंकी (काल्पनिक नाम) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी शादी 22 अप्रैल 2022 को दिनेश सोलंकी उर्फ गोलू निवासी ग्राम फलेंद्र बांगर के साथ हुई थी शादी के कुछ समय बाद ही उसके पति दिनेश सोलंकी व ससुराल वालों ने उसे मायके से अतिरिक्त दहेज लाने के लिए परेशान करना शुरू कर दिया। ससुराल वाले अक्सर उसे ताने मारते थे कि उसके पिता ने शादी में चार पहिए की गाड़ी न देकर समाज में उनकी बेइज्जती कर दी है। दिनेश सोलंकी व उसके परिजन उसे पर मायके से सेंट्रो कर व ढाई लाख रुपए नगद लाने के लिए दवाब बनाने लगे। 22 दिसंबर 2022 को आरोपियों ने उसे दहेज की मांग पूरी ने होने पर मारपीट कर घर से निकाल दिया। इस दौरान उसके रिश्तेदारों व परिजनों ने ससुराल वालों की खुशामद की जिसके बाद वह उसे अपने साथ लेकर गए।

रिंकी का आरोप है कि 19 मार्च को एक बार फिर उसके साथ मारपीट की गई और उसे घर से निकाल दिया गया। उसने इस बात की जानकारी अपने परिजनों को दी परिजन जब ससुराल पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंची लेकिन उससे पहले ही उसके ससुराल वाले घर छोड़कर चले गए। पुलिस के जाने के बाद ससुराल वाले घर पहुंचे और उसे जान से मारने की धमकी देते हुए घर से बाहर निकाल दिया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा भाजपा की ज़िला कार्यालय सेक्टर 116 में भाजपा की ज़िला बैठक सम्पन हुई। ये बैठक 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' को सफल बनाने हेतु की गई। ये विकास यात्रा आज नोएडा आ जाएगी और 17 दिसंबर तक नोएडा के सभी क्षेत्र में रहेगी और लोगो को जागरूक करने का कार्य करेगी।

अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने बताया कि ये विकास यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किए हुए सभी विकास कार्यों की गारंटी को दर्शायेगी। ये यात्रा रूट के अनुसार नोएडा के हर क्षेत्र में रहेगी जहां सभी ड्यूटी अनुसार पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता रहेंगे। रूट प्लान के अनुसार ये यात्रा 6 तारीख़ को हरोला पहुँचेगी, उसके बाद सेक्टर 11 जाएगी। 7 तारीख़ में ये यात्रा सेक्टर 31, अट्टा मार्केट रहेगी। इसी तरह हर रोज़ ये 2-3 क्षेत्र कवर करेगी जिसमें मोरना सेक्टर 35, सेक्टर 49, सेक्टर 51, सेक्टर 45, सेक्टर 52, बहलोलपुर, सेक्टर 63, सेक्टर 66, सेक्टर 71, गिजोड़, सेक्टर- 122, सेक्टर - 117, यकुपुर, नया गाँव, सेक्टर 93, वजीदपुर, सुल्तानपुर, ग्राम झट्टा में रहेगी।

इस भव्य विकास यात्रा को सफल बनाने के लिए नोएडा प्रशासन और अथॉरिटी से भी समन्वय बनाया जाएगा जिससे नोएडा वासियों को किसी भी तरह की कोई परेशानी ना हो।

प्रभारी और राज्य सभा सांसद श्रीमती कांता कर्दम ने सभी कार्यकर्ताओं को इस विकास यात्रा को सफल बनाने के लिए आग्रह किया और आगामी लोक सभा चुनाव के चलते वोटर चेतना अभियान को भी घर घर तक पहुँचाने का आग्रह किया।

बैठक में ज़िलाध्यक्ष मनोज गुप्ता, महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, उपाध्यक्ष गिरजा सिंह, मनीष शर्मा, विनोद शर्मा, गिरीश कॉटनाला, युद्धवीर चौहान, मंत्री अमरीश त्यागी, प्रमोद बहल, एस पी चमोली, मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर, मण्डल अध्यक्ष अशोक मिश्रा, पंकज झा, उमेश यादव, बबलू यादव, मनोज चौहान, ओमवीर अवाना, राम निवास यादव, शिवांश श्रीवास्तव, राजीव त्यागी, नरेश शर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

बिजली बिल के नाम पर बैंक खातों से की जा रही है साइबर ठगी

जमुई । लोगों को साइबर ठगी से बचाने के लिए पुलिस जागरूकता अभियान चला रही है। बावजूद इसके पढ़े-लिखे लोग भी साइबर फॉड में फंस कर ठगे जा रहे हैं। जमुई में फिर एक बार साइबर फॉड हुआ है। जहां बिजली विभाग का एसडीओ बनकर साइबर ठग ने एक महिला के बैंक खाते से करीब 7 लाख रुपए गायब कर दिये। ठगी की शिकार महिला व्यवसाई ने जमुई साइबर थाना में आवेदन दे कर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। साइबर ठग ने इसके बैंक के खाते से एनी डेस्क ऐप्प से 6 लाख 88 हजार रुपये उड़ा लिये हैं। जमुई जिले के साइबर थाने में आवेदन देने वाली महिला गुलाबी कुमारी ने बताया है कि उसके पति अरुण कुमार तांती के मोबाइल पर एक नंबर से कॉल आया। कॉल रिसीव करने पर दूसरे तरफ से एक शख्स ने बोला कि हम बिजली विभाग का एसडीओ बोल रहे हैं आपका बिजली बिल अपडेट नहीं है, हम आपकी बिजली काट रहे हैं। फिर वह शख्स बोला कि 10 रुपया का रिचार्ज कर दो तो बिजली बिल अपडेट हो जाएगा। फिर उस शख्स ने सुविधा एप से 10 रुपये का रिचार्ज कराया और एक लिंक भेज कर झांसे में लेते हुए एनीडेस्क ऐप्प का कोड डाउनलोड कर 10 अंकों का कोड उसके पति से ले लिया। उसके बाद महिला के दो बैंक खातों से 6 लाख 88 हजार रुपये की राशि निकाल ली। कुछ देर बाद दूसरे नंबर से एक और कॉल आया। वह संबंधित व्यक्ति भी फॉड में शामिल था। इस मामले में साइबर थाने के इंस्पेक्टर संजीव कुमार सिंह ने बताया कि प्राथमिक की दर्ज कर ली गई है। कार्रवाई की जा रही है।

तीन राज्यों में जीते कई सांसदों व मंत्रियों की लोकसभा सदस्यता खत्म होने का खतरा

नई दिल्ली। तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में शानदार जीतने के बाद भले ही भाजपा ने सरकार बनाने की तैयारियां शुरू कर दी हैं, लेकिन भाजपा के सामने उस मामले में फैसला लेने की चुनौती भी है जिसमें कई सांसद चुनाव जीतकर विधायक बन गए हैं। भाजपा द्वारा 4 राज्यों के विधानसभा चुनाव में जीतने के लिए दिग्गजों को चुनाव में उतारा गया था। इनमें 21 सांसद और केंद्रीय मंत्री भी हैं। जिनमें 12 सांसद और केंद्रीय मंत्री चुनाव जीत गए हैं। यह मुद्दा भाजपा के गले की फांस बन गया है क्योंकि इन चुने विधायकों को 14 दिन में तय करना है कि उन्हे दोनों में से कौन-सा पद रखना है। वर्ना उनकी लोकसभा सदस्यता खत्म हो जाएगी। इनमें सबसे ज्यादा 5 सांसद मध्य प्रदेश से जीते हैं, जबकि राजस्थान में यह आंकड़ा 4 और छत्तीसगढ़ में 3 है। आने वाले समय में लोकसभा चुनाव होने हैं। अब इन सांसदों से इस्तीफा लिया जाता है तो उनकी खाली हुई सीटों पर नए चेहरों की तलाश करनी होगी। इस दौर में यदि भाजपा दिग्गजों को केंद्रीय राजनीति में रखने के लिए 3 राज्यों में नए चुने किसी विधायक से इस्तीफा लेगी तो उस सीट पर विधानसभा उपचुनाव करवाना होगा। भाजपा द्वारा जिन सांसदों को विधानसभा चुनाव लडने के लिए मैदान में उतारा गया था उनमें केंद्रीय मंत्रि भी हैं। जिनमें से नरेंद्र सिंह तोमर, प्रफुल्ल पटेल, रेणुका सिंह को जीत हासिल हुई है जबकि फगन सिंह कुलस्ते हार गए हैं।

अरब सागर में 40 मछुआरों वाली नाव लापता, तलाश शुरू

बेंगलुरु । अरब सागर में 40 मछुआरों को ले जा रही एक मछली पकड़ने वाली नाव लापता हो गई है। यह घटना राज्य के उत्तर कन्नड़ जिले के कारवार की है। सूत्रों के अनुसार, नाव पिछले सप्ताह कर्नाटक के अधिकार क्षेत्र में अरब सागर में मौसम की विपरीत स्थिति के बीच लापता हो गई थी। गोवा में पंजीकृत क्रिस्टोरी नाम की नाव के इंजन में तकनीकी समस्याओं का सामना करने और तेज हवाओं के कारण नाव के बह जाने का संदेह है। सूत्रों के मुताबिक, यह गोवा के पणजी से रवाना हुआ था और आखिरी जीपीएस सिग्नल उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला में बेलिकेरी के पास रिकॉर्ड किया गया था। चार दिन तक सिग्नल नहीं मिलने के बाद तटीय गार्डों ने लापता नाव का पता लगाने के लिए अभियान शुरू किया है।

ईवीएम पर सवाल उठाना जनता के जनादेश का अपमान : मेघवाल

नई दिल्ली । 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव में आए नतीजों के बाद देश में ईवीएम पर बहस शुरू हो गई है। कांग्रेस ने ईवीएम पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है, वहीं जवाब में भाजपा उन्हें कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना की जीत की याद दिला रही है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भाजपा की जीत पर सवाल उठाकर ईवीएम से वोटिंग पर सवाल उठाया। कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार कर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि विपक्ष को नकारात्मकता छोड़नी चाहिए, लेकिन विपक्ष ऐसा करने को तैयार नहीं है। मेघवाल ने कांग्रेस से सवाल पूछा कि जब वह कर्नाटक में जीते थे, हिमाचल प्रदेश में जीते थे, तब क्या उस समय ईवीएम से वोटिंग नहीं हुई थी क्या ? उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग तमाम तथ्यों की जांच करने के बाद, परीक्षण करने के बाद ईवीएम को लेकर सारे तथ्य सामने रख चुका है। इसके बाद भी शिकायत बार-बार करना सही नहीं है। अगर कांग्रेस को कोई शिकायत है, तब उन्हें चुनाव आयोग के पास जाकर अपनी बात रखनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चुनावी नतीजे पर सवाल उठाना एक तरह से मतदाताओं का अपमान है। संसद भवन परिसर में केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने भी कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार कर कहा कि जब वह हिमाचल और कर्नाटक में जीते तब ईवीएम पर सवाल नहीं उठाया, इस बार भी वे तेलंगाना में चुनाव जीते हैं लेकिन वहां भी ईवीएम पर सवाल नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने कटाक्ष कर कहा कि विपक्ष को न तो जनता पर विश्वास है और न ही चुनाव पर विश्वास है और इस तरह से जनादेश को अस्वीकार करना उनकी बहुत ही छोटी सोच है।

कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की याचिका पर 6 दिसंबर को सुनवाई

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट ने 2017 के चुनाव आयोग रिश ?वतखोरी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी कानून के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मामले को रद्द करने की मांग करने वाली कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की याचिका पर 6 दिसंबर को सुनवाई होगी। चंद्रशेखर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) और अभियोजन शिकायत को रद्द करने की मांग कर रहा है। उसने ट्रायल कोर्ट से यह भी अनुरोध किया है कि वह उसके समक्ष लंबित आपराधिक मामले को आगे न बढ़ाए। जैसा कि ईडी ने तर्क दिया कि चंद्रशेखर की एक समान याचिका पहले से ही उच्च न्यायालय में लंबित है, चंद्रशेखर के वकील ने स्पष्ट किया कि पिछली याचिका में उनके खिलाफ आरोप तय करने को चुनौती दी गई थी। याचिका में तर्क दिया गया है कि मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के स्थापित सिद्धांतों के अनुसार, किसी व्यक्ति को मनी लॉन्ड्रिंग का दोषी नहीं ठहराया जा सकता, यदि उसे विधेय अपराध में बरी कर दिया गया हो या यदि मामला रद्द कर दिया गया हो। इसमें आरोप लगाया गया है कि ईडी की जांच और मुकदमे की कार्यवाही कानून के स्थापित सिद्धांतों का उल्लंघन है और इसका उद्देश्य परेशान करना और पूर्वाग्रह पैदा करना है। चंद्रशेखर पर तमिलनाडु में उपचुनाव के लिए पार्टी का चुनाव चिह्न दो पत्तियां सुरक्षित करवाने के लिए पूर्व अन्नाद्रमुक नेता टी.टी.वी. दिनाकरन से धन लेने का आरोप है।

50 से ज्यादा कंपनियों के कफ़ सिरप के सैंपल, टेस्ट में फेल

नई दिल्ली । देश में इन दोनों दवा निर्माता कंपनियों द्वारा अमानक दवाइयां बनाकर महंगे दामों पर बेची जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग के पास पर्याप्त संख्या में ड्रग इंस्पेक्टर नहीं है। दुकानों से सैंपल इकट्ठे नहीं किया जा रहे हैं। जिसके कारण दवा निर्माता कंपनियां भारी लूट मचाते हुए आम आदमियों के जीवन से खिलवाड़ कर रही हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा कफ सिरप के 54 कंपनियों से 2104 नमूने परीक्षण के लिए एकत्रित किए गए थे। 54 कंपनियों में से मात्र चार कंपनियों के कफ सिरप मानक पर खतरे खरे उतरे हैं। जबकि 50 कंपनियों के कफ सिरप अमानक पाए गए हैं। गुजरात की औषधि एवं खाद्य प्रयोगशाला के 385 मुंबई की सेंट्रल ड्रग्स टेस्टिंग लैबोरेट्री में 523 चंडीगढ़ प्रयोगशाला में 284 गाजियाबाद के भारतीय फार्माकोपोयिया आयोग ने 502 नमूनो का विश्लेषण किया। इसमें 50 कंपनियों के कफ सिरप पूरी तरीके से अमानक पाए गए हैं। उल्लेखनीय है जीसीआई ने जांच प्राथमिकता के आधार पर करने के आदेश दिए थे। रिपोर्ट भी जल्दी देने के आदेश किए गए थे। उल्लेखनीय है कि गुजरात के खेड़ा जिले में कफ सिरप के पीने से 5 लोगों की मौत हो गई थी। दो लोग बीमार हो गए थे। उसके बाद व्यापक स्तर पर इसकी जांच कराई गई। जिसमें 50 कंपनियों के कफ सिरप पूरी तरीके से अमानक पाए गए। पिछले वर्ष भारतीय कंपनियों के कफ सिरप से उज्बेकिस्तान में 89 बच्चों की मौत हुई थी। तभी मामले ने बड़ा तूल पकड़ा था।

गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कोशिश ने बढ़ाई टेंशन, भारत पहुंचा अमेरिका जांच दल

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की अमेरिकी धरती पर हत्या की साजिश मामले में भारत पर लगे आरोपों को लेकर मामला शांत होता नजर नहीं आ रहा है। इस मामले में अमेरिका लगातार सवाल खड़े कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के टॉप नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर या कहें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भारत के साथ कई द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए नई दिल्ली आए हैं। पन्नू की अमेरिकी धरती पर हत्या की साजिश मामले में भारत पर लगे आरोपों पर भी बात करने वाले हैं। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी है।

व्हाइट हाउस की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया, प्रिंसिपल डिप्टी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर जॉन फाइनर भारत के डिप्टी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर विक्रम मिस्री के साथ मुलाकात की। फाइनर ने महत्वाकांक्षी यूएस-इंडिया इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी में हुई प्रगति की समीक्षा करने के लिए 4 दिसंबर को

बयान में आगे कहा गया, फाइनर ने अमेरिका में हत्या की साजिश को लेकर भारत के जरिए जांच समिति की स्थापना की जानकारी ली। उन्होंने इस मामले में जिम्मेदार व्यक्ति को जवाबदेह ठहराने के महत्व को स्वीकार भी किया।

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू अमेरिका के न्यूयॉर्क में रहता है। उसके पास कनाडा और अमेरिका दोनों की नागरिकता है। अमेरिका में भले ही लोग उसे सामाजिक कार्यकर्ता और वकील के तौर पर जानते हैं। मगर वह वहां से बैठे-बैठे ही भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने में जुटा रहता है। पन्नू सिख फॉर जस्टिस (एसजेएफ) नाम के खालिस्तानी संगठन का प्रमुख भी है। पन्नू और उसके संगठन दोनों पर भारत सरकार ने बैन लगाया हुआ है।

दरअसल, पिछले हफ्ते अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने 52 वर्षीय भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के ऊपर पन्नू की हत्या की साजिश के मामले में शामिल होने के आरोपों के तहत मुकदमा चलाया। जस्टिस डिपार्टमें की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया, भारत सरकार के एक सरकारी कर्मचारी ने निखिल गुप्ता के अलावा अन्य लोगों के साथ मिलकर अमेरिका की धरती पर न्यूयॉर्क सिटी में रहने वाले भारतीय मूल एक अटॉर्नी और पॉलिटिकल एक्टिविस्ट की हत्या की कोशिश की।

मोदी सरकार की पहल, केवल लड़कियों के लिए सैनिक स्कूलों की स्थापना मथुरा के संविद गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल का नाम

नई दिल्ली । भारत में जल्दी ही इसतरह के सैनिक स्कूल खुलने जा रहा है, जो केवल लड़कियों के लिए होगा। अभी तक देश में कोई सैनिक स्कूल ऐसा नहीं है, जो केवल लड़कियों के लिए बनाया गया हैं। हालांकि देश में को-एजुकेशन वाले सैनिक स्कूल मौजूद हैं, जिसमें लड़के और लड़कियां दोनों एक साथ पढ़ते हैं। हालांकि अब पीपीपी मॉडल के तहत शुरू किए जा रहे सैनिक स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग से स्कूल शुरू किया जा सकता है। रक्षा राज्य मंत्री के मुताबिक, हाल ही में उत्तर प्रदेश में मथुरा में संविद गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल को लड़कियों के लिए सैनिक स्कूल के रूप में मंजूरी दी गई। इस बारे में रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने राज्यसभा में बताया कि पूर्ववर्ती पद्धति के तहत देश में 33 सैनिक स्कूल स्थापित किए गए हैं। इन स्कूलों में उत्तर प्रदेश के अमेठी, झांसी और मैनपुरी में स्थापित किए गए तीन सैनिक स्कूल भी शामिल हैं। भट्ट ने बताया कि ये सभी स्कूल सहशिक्षा वाले हैं। पूर्ववर्ती पद्धति के तहत केवल लड़कियों के लिए ही सैनिक स्कूलों की स्थापना करने के बारे में विचार नहीं किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों में गैर सरकारी संगठनों, निजी व राज्य सरकार के स्कूलों के साथ साझेदारी मोड में 100 नए सैनिक स्कूलों की स्थापना करने की पहल के तहत केवल लड़कियों के लिए ही सैनिक स्कूलों की स्थापना करने के बारे में कोई प्रतिबंध नहीं है। रक्षा राज्य मंत्री के मुताबिक, इस संबंध में, मथुरा में संविद गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल को लड़कियों के लिए सैनिक स्कूल के रूप में मंजूरी दी गई है।

मध्य प्रदेश में भाजपा को नहीं मिल रहा शिवराज का विकल्प, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सीएम की तलाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश,राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत हासिल की है। तीनों ही राज्यों में कई दिग्गज नेता हैं जो वर्षों से मुख्यमंत्री पद की आस लगाए बैठे हैं। ऐसे में भाजपा के शीर्षस्थ नेताओं के लिए मुख्यमंत्री तय करना चुनौती बन गया है। किसे खुश करें और किसे नाराज,बस इसी उलझन को सुलाझाने लिए राज्यों की राजधानियों से लेकर देश की राजधानी तक विचार मंथन शुरु हो गया है। राज्यों के कई नेताओं ने दिल्ली में डेरा डाल दिया है तो कुछ अपनी बयानबाजी से भाजपा हाईकमान को खुश करने के प्रयास भी करते नजर आ रहे हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और छत्तीसगढ़ में गोमती साय और राजस्थान में किसी बाबा को राज्य की कमान सौंपी जा सकती है।

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को राज्य की कमान सौंपने की संभावना प्रबल बताई जा रही है। वजह ये है कि मुख्यमंत्री चौहान अपनी लोकप्रियता और सभी स्वीकार नेता के रुप में पहचान बना चुके है। उनकी योजनाओं ने आम लोगों को प्रभावित किया है। इसके अलावा चौहान की जमीनी पकड़ भी फिलहाल कम नहीं हुई है। उन्होंने 120 लोगों को टिकट दिलाए थे जिसमें से 89 विधायक जिताकर लाए हैं। इसलिए माना जा रहा है कि मध्य प्रदेश में सीएम शिवराज सिंह चौहान को बनाया जा सकता है। छत्तीसगढ़ की बात करें तो यहां प्रमुख रुप से गोमती साय का नाम सीएम की रेस में लिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष अरुण कुमार साव, निवर्तमान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक और पूर्व आईएएस अधिकारी ओपी चौधरी को भी मुख्यमंत्री पद का संभावित दावेदार माना जा रहा है। सिंह को छोड़कर बाकी तीनों नेता अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से आते हैं। हालांकि, यह अवश्य कहा जाना चाहिए कि भाजपा नेतृत्व मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के चयन में अपने फैसले से पहले भी कई बार हैरान कर चुका है। इसी तरह राजस्थान में भी मुख्यमंत्री पद की रेस में कई नाम आ रहे हैं। यहां कुछ बाबाओं को सपने में सीएम की कुर्सी दिखाई दे रही है। कोई मीट की दुकाने बंद कराने के निर्देश दे रहा है तो कोई गुंडे बदमाशों बंगाल और कर्नाटक भेजने की सलाह दे रहा है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बनने की होड़ में इन आचार्य बालमुकुंद और बाबा बालकनाथ का नाम चर्चा में है।राजस्थान में मुख्यमंत्री पद के लिए वसुंधरा राजे का नाम सबसे आगे चल रहा है। जबकि ओम माथुर, ओम बिरला और केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का भी नाम चर्चा में है।

बता दें कि 17 नवंबर को मध्य प्रदेश के 230 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ, जिसके नतीजे 3 दिसंबर को सामने आए. जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने 160 सीटों पर जीत हासिल की. वहीं कांग्रेस पार्टी महज 65 सीटों पर सिमट कर रह गई। वहीं 25 नवंबर को राजस्थान के 199 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ था, जिसका रिजल्ट 3 दिसंबर को घोषित किया गया। इस दौरान बीजेपी ने 115 सीटों पर जीत हासिल की. जबकि कांग्रेस केवल 69 सीटों पर रह गई।

बुलेट ट्रेन के लिए समुद्र के नीचे बनने जा रही है देश की पहली सुरंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुलेट ट्रेन के लिए देश की पहली समुद्र के नीचे सुरंग बनने वाली है। जिसके निर्माण का काम शुरू करने का समय तय हो गया है। यह सुरंग 21 किमी लंबी होगी। सबसे अहम बात यह है कि सात किमी सुरंग समुद्र के नीचे बनेगी, जिसका निर्माण मुंबई में होगा। पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन का काम अब रफ्तार पकड़ने वाला है। बताया जा रहा है कि मुंबई से अहमदाबाद के बीच बुलेट ट्रेन मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स से शुरू होगी। यहां पर पूरा स्टेशन और ट्रैक दोनों भूमिगत होंगे। यहां से सुरंग बनेगी जो समुद्र के नीचे से होकर जाएगी। इस सुरंग का निर्माण अपने आप में चैलेंज है, क्योंकि यह सुरंग सात किमी समुद्र के नीचे से गुजरेगी। रेलवे मंत्रालय के अधिकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव से पहले काम चालू हो जाएगा। संभावना है कि मार्च 2024 से सुरंग के लिए खुदाई शुरू हो जाएगा। इसके लिए टेंडर पहले ही दिए जा चुके हैं। गौरतलब है कि देश में पहली बार समुद्र के नीचे सुरंग बनने जा रही है। अभी तक इस तरह की टनल बोरिंग मशीन नहीं है, अब अलग-अलग देशों से टीबीएम के पाट्र्स मंगाए जा रहे हैं और यहीं पर असेंबल किए जाएंगे। इसके बाद खुदाई का काम शुरू हो जाएगा। मंत्रालय के अनुसार दो से तीन माह में टीबीएम असेंबल हो जाएगी।

बता दें कि यह सुरंग बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स भूमिगत स्टेशन और शिलफाटा के बीच होगी। इस समय देश में तमाम शहरों में अंडरग्राउंड मेट्रो चल रहीं हैं, इसके लिए भी सुरंग बनाई गयी थीं, लेकिन कोई सुरंग पानी के नीचे नहीं बनी है। हालांकि कोलकाता में हुबली के नीचे सुरंग है लेकिन वह केवल 520 मीटर लंबी है। समुद्र के नीचे इस तरह का निर्माण नहीं हुआ है। इसलिए यह सुरंग मेट्रो से अलग है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए सुरंग निर्माण में टनल बोरिंग मशीन और न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड का इस्तेमाल किया जाएगा। विदेशों में यह तकनीक सफल है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन मुंबई और अहमदाबाद के बीच 508 किमी लम्बी भारत की पहली हाई स्पीड रेल लाइन का निर्माण कर रहा है, जिसका 352 किमी मार्ग गुजरात के नौ और महाराष्ट्र के तीन जिलों से होकर गुजरेगा।

अब शुरू हुई लोकसभा चुनाव में 186 सीटों पर भाजपा को टक्कर देने की चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के सामने असल चुनौती तो अब शुरू हुई हैं। जानकार बता रहे हैं कि कांग्रेस भले ही विधानसभा चुनावों में अच्छे प्रदर्शन के बाद राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन की गतिविधियों को आगे बढ़ाकर भाजपा के खिलाफ एक बड़ा मोर्चा खड़ा कर दे, लेकिन उसके सामने असल चुनौती भाजपा के खिलाफ खुद लड़ने की है। पिछले दो चुनावों के आंकड़ों पर ध्यान दें तो कांग्रेस भाजपा के साथ सीधे मुकाबले वाली सीटों पर हारी है। पिछले चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के मध्य 186 लोकसभा सीटों पर सीधा मुकाबला था और कांग्रेस इसमें से महज 15 सीटें ही जीत पाई थी। जबकि 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने कांग्रेस के साथ सीधे मुकाबले वाली सीटों में से 162 सीटें जीती थीं और कांग्रेस को महज 24 सीटें हासिल हुई थी। 2014 के बाद 2019 के चुनाव में भाजपा के साथ सीधे मुकाबले वाली सीटों पर कांग्रेस की जीत का प्रतिशत कम हो गया था और उसने अपनी 9 सीटें गंवा दी थीं।

कांग्रेस 2023 में हिमाचल और कर्नाटका विधानसभा चुनाव में मिली जीत से काफी उत्साहित है। उसने इन विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इसके बावजूद असली चुनौती लोकसभा चुनाव की है, जहां उसे पिछले दो लोकसभा चुनावों में हुई अपनी हार का विश्लेषण करते हुए नए तरीके से रणनीति तैयार करनी पड़ेगी। कांग्रेस भाजपा के साथ मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, हिमाचल, उत्तराखंड के अलावा कर्नाटका व महाराष्ट्र की कुछ सीटों पर सीधे मुकाबले में होगी और पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इन सारे राज्यों में कांग्रेस का लगभग सफाया कर दिया था। अब कांग्रेस यदि अपनी सीटें न बचा पाई तो लोकसभा में उसकी स्थिति पहले वाली ही रह सकती है।

मणिपुर हिंसा पर कांग्रेस ने पीएम से पूछा सवाल, शांति बहाली के लिए क्यों नहीं की पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर की स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए कांग्रेस ने मंगलवार को पीएम मोदी से सवाल किया है। कांग्रेस ने पूछा कि अभी तक केन्द्र ने शांति बहाली के लिए कोई कदम क्यों नहीं उठाया। कांग्रेस ने मांग की है कि नरेन्द्र मोदी को अपनी 'चुप्पी तोड़ते हुए बातचीत शुरू करनी चाहिए ताकि पूर्वोत्तर के इस राज्य में एक ऐसा समाधान निकल सके जो सभी पक्षों को स्वीकार्य हो। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह सवाल किया कि केंद्र सरकार ने राज्य में शांति बहाली के लिए अब तक कोई प्रत्यक्ष कदम क्यों नहीं उठाया? गौरतलब है किल मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में सोमवार को उग्रवादियों के दो समूहों के बीच हुई गोलीबारी में कम से कम 13 लोग मारे गए। राज्य में सात महीने पहले शुरू हुए अशांति के दौर में अब तक 180 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

कांग्रेस नेता खरगे ने 'एक्स पर पोस्ट किया, 'मणिपुर में सात महीने तक हिंसा जारी रहना अक्षम्य है। कथित गोलीबारी में 13 और लोगों की मौत हो गई है। पिछले 215 दिनों में 60,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। राहत शिविरों में आंतरिक रूप से विस्थापित लोग रह रहे हैं जहां स्थिति अमानवीय और संतुष्टि से दूर है। उन्होंने सवाल किया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त होने का जिम्मेदार कौन है?

कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी पूछा कि सीएम एन बीरेन सिंह के पद पर बने रहने के लिए कौन जिम्मेदार है? केंद्र सरकार द्वारा गठित शांति समिति ने मणिपुर में शांति, सामान्य स्थिति और सद्भाव बहाल करने के लिए कोई प्रत्यक्ष कार्य क्यों नहीं किया है?

उन्होंने कहा कि मणिपुर में कई राजनीतिक दलों के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी ने मांग की है और फिर से दोहराया है कि केवल माननीय प्रधानमंत्री के साथ विस्तृत चर्चा से ही संघर्ष का कोई ऐसा समाधान निकल सकता है जो सभी संबंधित पक्षों को स्वीकार्य हो। हमें पूरी उम्मीद है कि वह ऐसा करेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स पर लिखा कि अब 7 महीने हो चुके हैं। मणिपुर में हालात सामान्य से काफी दूर हैं। कल ही हिंसा का एक ताजा दौर शुरू होने की खबर आई जिसमें 13 लोगों की जान चली गई। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह का दावा है कि राज्य में शांति लौट आई है लेकिन जमीनी हकीकत इसके हटकर है।

केसीआर के अतिआत्मविश्वास ने तेलंगाना में डूबो दी सरकार

हैदराबाद (एजेंसी)। ऐसा लगाता है कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेतृत्व सत्ता विरोधी लहर को समझने में विफल रहा और लगभग सभी मौजूदा विधायकों को दुबारा टिकट दिया गया। इससे पार्टी को भारी कीमत चुकानी पड़ी, क्योंकि लगभग एक दशक तक देश के सबसे युवा राज्य पर शासन करने के बाद बीआरएस को कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवानी पड़ी। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कुछ वर्गों में बीआरएस नेतृत्व के अहंकारी होने की सार्वजनिक धारणा और भ्रष्टाचार के आरोप भी पार्टी की बुरी तरह से हार के लिए जिम्मेदार अन्य कारक थे। पार्टी नेतृत्व का चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों और इतना ही नहीं एग्जिट पोल को भी स्वीकार करने से इनकार करना दर्शाता है, कि वह अपनी संभावनाओं को लेकर अति आत्मविश्वास में थी।

चूंकि 119 सदस्यीय विधानसभा में पार्टी के कुल 104 विधायक थे, इसकारण केसीआर को लगाता था कि भले ही पार्टी कथित सत्ता विरोधी लहर के कारण 40 सीटें हार जाए, फिर भी वह सत्ता रहेगी। जैसा कि बाद में पता चला, पार्टी को 65 सीटों का भारी नुकसान हुआ, लगभग उतनी ही सीटें जितनी कांग्रेस ने सत्ता हासिल करने के लिए जीती हैं। टीआरएस (अब बीआरएस) ने 2014 में 63 सीटें जीतकर सत्ता की अपनी यात्रा शुरू की थी। यह एक नया राज्य था और वहां तेलंगाना की प्रबल भावना थी। केसीआर ने लगभग छह दशकों तक संयुक्त आंध्र प्रदेश में हुए भेदभाव के बाद राज्य को पुनर्निर्माण के पथ पर ले जाने का वादा किया था। उन्होंने स्थिति मजबूत करने के लिए कांग्रेस, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और अन्य दलों के विधायकों को लालच दिया। केसीआर ने अपनी सरकार के प्रदर्शन पर नए जनादेश की मांग कर 2018 में समय पूर्व चुनाव कराने का जुआ खेला। वापसी के प्रति आश्वस्त होकर, उन्होंने अधिकांश मौजूदा विधायकों को बरकरार रखा और चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से बहुत पहले उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की। केसीआर का दांव काम कर गया और पार्टी ने 88 सीटों के भारी बहुमत के साथ सत्ता बरकरार रखी। चुनाव के बाद, केसीआर ने मुख्य विपक्षी दल का लगभग सफाया करने के लिए कांग्रेस के एक दर्जन विधायकों को लालच दिया। अन्य दलों के चार और विधायक भी बीआरएस में शामिल हो गए, जिससे इसकी संख्या 104 हो गई।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, विधायक खरीदना भी लोगों के गले नहीं उतरा। हालांकि इस बार केसीआर ने समय से पहले चुनाव नहीं कराया, लेकिन उन्होंने नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू होने से लगभग ढाई महीने पहले 21 अगस्त को 115 उम्मीदवारों की घोषणा की। सात बदलावों को छोड़कर, उन्होंने सभी मौजूदा विधायकों को टिकट दिया। लंबे अंतराल ने कांग्रेस को असंतुष्ट बीआरएस नेताओं को अपने गुट में लाने का समय भी दे दिया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी.रामा राव ने पार्टी द्वारा किए गए सर्वेक्षणों का हवाला देकर दावा किया था कि पार्टी को 2018 में हासिल की गई सीटों से अधिक सीटें मिलेंगी। अपने ही कर्मचारियों के एक वर्ग की संलिप्तता से तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों के लीक होने, बार-बार परीक्षाओं को स्थगित करने और यहां तक कि रद्द करने के कारण नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को होने वाली समस्याओं और कुछ कथित आत्महत्याओं को लेकर बेरोजगार युवाओं में गुस्सा है। इन कारकों ने बेरोजगार युवाओं के एक बड़े वर्ग को केसीआर सरकार के खिलाफ कर दिया।

राजनीतिक विश्लेषक पलवई राघवेंद्र रेड्डी ने कहा कि कुछ लोग मनाते हैं कि भाजपा और बीआरएस के बीच एक मौन सहमति थी। इस विचार को तब बल मिला जब केंद्र की भाजपा सरकार कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में केसीआर की बेटी के. कविता के प्रति नरम रुख अपनाती दिखी। भगवा पार्टी के नेताओं ने पहले यह प्रचार किया था कि उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। कई आलोचकों ने भाजपा पर केसीआर की चुप्पी पर सवाल उठाए, जबकि कुछ महीने पहले वह भगवा पार्टी पर पूरी तरह हमला बोल रहे थे। वह भाजपा द्वारा बीआरएस विधायकों को तोड़ने के कथित प्रयास पर भी चुप हो गए थे। पिछले साल अक्टूबर में एक भाजपा नेता के तीन कथित एजेंटों को रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद केसीआर ने भाजपा द्वारा उनकी सरकार को गिराने की साजिश का आरोप लगाया था, जब वे बीआरएस के चार विधायकों को भारी धन की पेशकश के साथ लुभाने की कोशिश कर रहे थे।

टीम इंडिया ने 2001 में भी किया था दक्षिण अफ्रीका का दौरा, हुआ था भयंकर विवाद

-छह प्लेयर्स पर लगे थे बॉल टेम्परिंग सहित कई गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम तीन टी20आई, तीन वनडे और दो टेस्ट की सीरीज के लिए इसी माह दक्षिण अफ्रीका का दौरा करने वाली है। लेकिन 2001 का वह दौरा कभी नहीं भुलाया जा सकता है, जब भारतीय टीम के छह प्लेयर्स पर बॉल टेम्परिंग सहित कई गंभीर आरोप लगे थे। हालांकि दोनों टीमों के बीच अब तक 42 टेस्ट खेले गए हैं जिसमें भारत ने 15 में जीत हासिल की है जबकि 17 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि दक्षिण अफ्रीकी मैदान पर भारत का टेस्ट रिकॉर्ड बेहद खराब है और टीम वहां खेले गए 23 टेस्ट में से महज 3 में ही जीत हासिल कर पाई है। 12 टेस्ट में भारतीय टीम को हार मिली है जबकि सात ड्रॉ रहे हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच के क्रिकेट रिश्ते वैसे तो सौहार्दपूर्ण रहे हैं लेकिन वर्ष 2001 में इसमें बड़ा 'भूचाल' आया था। इसे क्रिकेट जगत में 'माइक डेनेस विवाद' के नाम से जाना जाता है।

वर्ष 2001 में दक्षिण अफ्रीका दौरे में भारतीय टीम के छह प्लेयर्स पर बॉल टेम्परिंग सहित कई आरोप लगे थे।

उस के बाद दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड टीम के पूर्व कप्तान और उस मैच के रैफरी माइक डेनेस ने भारतीय टीम के लगभग आधे प्लेयर्स पर खेलने से प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि बाद में विवाद को बढ़ता देख ज्यादातर प्रतिबंध हटा दिए गए और मामला अच्छे से निपट गया। इस टेस्ट के दौरान जिन प्लेयर्स को मैच रैफरी की कार्रवाई का सामना करना पड़ा था उनमें सचिन तेंदुलकर और टीम के तत्कालीन कप्तान सौरव गांगुली भी शामिल थे। सचिन को बॉल टेम्परिंग के आरोप में एक टेस्ट से बैन की सिफारिश की गई थी जबकि वीरेंद्र सहवाग अधिक अपील के लिए एक टेस्ट से बैन किए गए थे।

हालांकि सचिन पर तो यह आरोप लगा कि गेंदबाजी करने के दौरान उन्होंने गेंद की सीम को नाखून से खरोचा है। भारतीय टीम को नियंत्रित करने में कथित नाकामी के कारण एक टेस्ट और दो वनडे का सस्पेंडेड बैन थोपा गया था।जरूरत से ज्यादा अपील के लिए हरभजन सिंह, शिवसुंदर दास और दीप दासगुप्ता पर भी एक-एक मैच का सस्पेंडेड

बैन लगाया गया था। जाहिर है कि बेवजह की इस कार्रवाई पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से जोरदार प्रतिक्रिया होनी थी और ऐसा हुआ भी। भारतीय टीम ने इस मामले में 'आर या पार' की लड़ाई का मन बना लिया था। वह दौरे के शेष मैचों का बायकॉट करने पर आमादा थी।

रिंकू के आक्रामक और निडर से प्रभावित हूं : श्रीसंत

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। रिंकू सिंह के आक्रामक और निडर दृष्टिकोण की गूंज के बीच, भारतीय पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत का मानना है कि खेल के प्रति 26 वर्षीय खिलाड़ी का रवैया 20वीं सदी के प्रतिष्ठित खेल व्यक्तित्व मुहम्मद अली की याद दिलाता है। उन्होंने अपने असाधारण क्षेत्ररक्षण से भारतीय टीम को मात देने के लिए ऑस्ट्रेलिया को श्रेय दिया, जबकि उन्होंने अपनी उम्मीदें भारतीय युवा कंधों पर केंद्रित कीं। टी20 विश्व कप 2024 के लिए टीम तैयार हो रही है। मैं ईमानदार रहूँगा। ऑस्ट्रेलिया ने हमें पछाड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने ऑस्ट्रेलियाई तरीके से खेला। लक्ष्य जो 280 से 290 होना चाहिए था, ऑस्ट्रेलियाई क्षेत्ररक्षकों ने इस 240 तक रोक दिया। श्रीसंत ने कहा, खेल का पूरा परिदृश्य बदल गया। निडर दृष्टिकोण वाले उभरते सितारे रिंकू ने श्रीसंत का ध्यान खींचा और 40 वर्षीय खिलाड़ी ने युवा बल्लेबाज में मोहम्मद अली की झलक देखी और सभी प्रारूपों में उनके लगातार प्रदर्शन और अपने दिल की बात कहने की उनकी क्षमता की सराहना की।

श्रीसंत ने कहा, मुझे रिंकू सिंह का आत्मविश्वास पसंद है। वह जिस भी टीम के साथ खेलते हैं, उसके लिए लगातार ऐसा कर रहे हैं, चाहे वह क्लब क्रिकेट हो, चाहे वह टीम क्रिकेट हो, चाहे वह फ्रेंचाइजी हो। वह परवाह नहीं करते, बहकते नहीं लेकिन वह अपने दिल की बात कहते हैं और वह हैं मोहम्मद अली मेरे लिए। श्रीसंत, जो एम एस धोनी के नेतृत्व में 2007 टी 20 विश्व कप विजेता टीम के प्रमुख सदस्य थे, ने भी अपने करियर के महत्वपूर्ण क्षणों पर विचार किया, उन बाधाओं और लचीलेपन के बारे में बताया जिसने अंततः क्रिकेट के मैदान में उनकी वापसी का मार्ग प्रशस्त किया।

हालाँकि,39 साल की उम्र में केरल के लिए उनकी वापसी, जहाँ वे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में उभरे, ने उनके अटूट दृढ़ संकल्प को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया। अब, लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में गुजरात जायंट्स की जर्सी पहनकर और स्टुअर्ट बिन्नी के साथ अमेरिकन प्रीमियर लीग (एपीएल) टी20 के दूसरे संस्करण के लिए तैयारी करते हुए, श्रीसंत ने भारत के बाहर फ्रेंचाइजी क्रिकेट द्वारा दिए गए अवसरों की सराहना की। एलएलसी उनके लिए अपने कौशल का प्रदर्शन करने का एक मंच रहा है, जिसमें महान सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने वर्ल्ड जायंट्स के खिलाफ मैच में प्लेयर ऑफ द मैच ट्रॉफी प्रदान करते हुए उनके लचीलेपन को स्वीकार किया था, एक ऐसा क्षण जिसे वह संभावित बायोपिक के अंतिम दृश्य के रूप में देखते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम ने सीरीज जीती, सूर्या ने खिलाड़ियों की तारीफ की

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस?ट्रेलिया को 6 रनों से हराकर, पांच टी20 की सीरीज अपने नाम कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के आमंत्रण पर पहले बल्लेबाजी कर भारतीय टीम ने श्रेयस अय्यर के 53 और अक्षर पटेल के 31 रनों की मदद से लड़खड़ाते हुए 20 ओवर्स में 8 विकेट खोकर 160 रन बनाए। माना जा रहा था कि इस छोटे स्कोर को डिफेंड करना 'सूर्या ब्रिगेड' के लिए आसान नहीं होगा लेकिन बॉलर्स ने लगातर विकेट लेकर मैथ्यू वेड की कंगारू टीम को दबाव में रखा।

मैच के बाद भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने युवा प्लेयर्स के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की। सूर्या ने कहा, सीरीज जीतकर अच्छा लग रहा है। कप्तान के तौर पर अच्छा फील हो रहा है। अर्शदीप सिंह के प्रदर्शन के बारे में उन्होंने कहा, पाजी को मैंने जो

बोला था करने के लिए, वहीं उसने किया। मैंने फ्रेंचाइजी क्रिकेट में बॉलिंग डालते हुए देखा है, इसलिए उसका आखिरी ओवर रखा था। कप्तान ने कहा, सब लोग बोलते हैं कि टी20 क्रिकेट बैट्समैन का गेम है। बैट्समैन रन बनाएंगे, यह बॉलर्स के लिहाज से मुश्किल हैं। मेरे हिसाब ये यही होता है कि बैट्समैन मैच जिताते ही हैं, बॉलर सीरीज जिताते हैं। हर गेम में वे नया नया करते गए। अक्षर ने लगातार दूसरे मैच में प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार जीता।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगी भारतीय महिला टीम

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम पिछले कुछ अर्से के अच्छे प्रदर्शन से प्रेरणा लेकर इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय रिकॉर्ड बेहतर करने के इरादे से बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में उतरेगी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने टी20 प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा भारत ने बांग्लादेश में 2.1 से जीत दर्ज की और दक्षिण अफ्रीका तथा वेस्टइंडीज के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में पहुंची।

दूसरी ओर दुनिया की दूसरे नंबर की टीम इंग्लैंड श्रीलंका से 1-2 से मिली पराजय को भुलाकर नये सिरे से शुरूआत करने उतरेगी। दुनिया की चौथे नंबर की टीम भारत का इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी20 श्रृंखलाओं में रिकॉर्ड खराब रहा है। मेजबान टीम इसे दुरूस्त करने के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड के खिलाफ भारत में नौ मैचों में से भारत ने सिर्फ दो जीते हैं। आखिरी जीत पांच साल पहले मार्च 2018 में मिली थी जब ब्रेबोर्न स्टेडियम पर आठ विकेट से इंग्लैंड को हराया था। इंग्लैंड के खिलाफ अब तक कुल 27 मैचों में से भारत ने सिर्फ सात जीते

हैं। भारतीय महिला टीम ने आखिरी बार अपनी सरजमीं पर टी20 मैच मार्च 2021 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लखनऊ में जहीता था। उसके बाद से भारत अपने देश में चार मैच हार चुका है और एक टाई रहा। भारत ने घरेलू 50 टी20 मैचों में से सिर्फ 19 जीते हैं, 30 हारे और एक टाई रहा। भारत और इंग्लैंड दोनों ने पिछले टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। अगला टूर्नामेंट सितंबर अक्टूबर 2024 में होना है और उसकी तैयारी का यह सुनहरा मौका है। दीप्ति शर्मा ने भारत के लिये 16 मैचों में 19 विकेट लिए हैं जबकि बल्लेबाजी में हरमनप्रीत ने 13 टी20 में 323 रन बनाए हैं। जेमिमा रौड्रिग्स ने 16 मैचों में 342 रन बनाए हैं जबकि स्मृति मंधाना ने 15 मैचों में सर्वाधिक 369 रन का योगदान दिया है। हरमनप्रीत ने बिग बैश लीग में 14 मैचों में 321 रन बनाए। भारत ने तीन नये चेहरों कर्नाटक की स्पिनर श्रेयांका पाटिल, पंजाब की स्पिनर मन्नत कश्यप और बंगाल की स्पिनर साइका इशाक को मौका दिया है। कश्यप इस साल की शुरूआत में आईसीसी अंडर 19 महिला टी20 कप में टीम का हिस्सा थी जबकि इशाक ने पहली महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के लिये 15 विकेट लिए। श्रेयांका ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिये नौ विकेट चटकाए और महिला कैरेबियाई प्रीमियर लीग में खेलने वाली पहली भारतीय बनी। इंग्लैंड के लिये नेट स्किवेर ब्रंट ने महिला प्रीमियर लीग में 332 रन देने के अलावा दस विकेट लिए थे। उन्होंने आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 271 रन बनाए। डैनी वियाट ने 278 रन बनाये हैं जबकि सोफी एक्सेलेटन ने 16 विकेट लिए।

इंग्लैंड कोच ने की भारतीय टीम की तारीफ, टेस्ट सीरीज खेलना सबसे बड़ा चैलेंज

नई दिल्ली ।इंग्लैंड के कोच ब्रैंडन मैक्कुलम ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा कि टीम इंडिया के साथ टेस्ट सीरीज खेलना सबसे बड़ा चैलेंज है। बता दें कि भारत को इसी महीने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट खेले जाने हैं। पहला टेस्ट 26 जनवरी से तो वहीं, दूसरा जनवरी 2024 में 3 जनवरी से खेला जाएगा। फिर 25 जनवरी से भारत को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। जिसे देखते हुए इंग्लिश टीम के कोच मैक्कुलम काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं।उन्होंने कहा है कि भारत में टेस्ट सीरीज खेलना हमारे लिए अपने आप को टेस्ट करने जैसा होगा। क्योंकि वह सबसे अच्छी टीम है। इंग्लैंड के कोच ब्रैंडन मैक्कुलम ने बेंगलुरु में एक इवेंट के दौरान कहा कि हमें भारत के खिलाफ 5 टेस्ट मैच खेलने हैं।ये हमारे लिए बड़ा चैलेंज होगा।मैं इसे लेकर काफी उत्साहित हूं।क्योंकि हम अपने आप को टेस्ट करना चाहते हैं।वो तभी हो पाएगा जब आप मजबूत टीम से भिड़ते हो।

साउथ अफीका दौरे के लिए भुवनेश्वर को न लेने पर आरपी सिंह हुए नाराज

नई दिल्ली ।साउथ अफीका दौरे के लिए तेज गेंदबाज भुवनेश्वर को न लेने पर पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह बेहद नाराज हैं। गौरतलब है कि साउथ अफीका के खिलाफ वनडे, टी20 और टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी गई है। स्क्वॉड में अर्शदीप सिंह, दीपक चाहर मुकेश कुमार जैसे गेंदबाजों को मौका मिला है।टी20 की कमान सूर्यकुमार यादव को दी गई है वहीं, वनडे की कप्तानी केएल राहुल के पास होगी। टीम सेलेक्शन के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह एक तेज गेंदबाज को मौका नहीं मिलने से नाराज हैं। उन्होंने कहा है कि भुवनेश्वर कुमार को मौका जरूर मिलना चाहिए था। आरपी सिंह ने ट्वीट करते हुए लिखा, मैं ये देख कर हैरान हूं कि भुवनेश्वर कुमार साउथ अफीका के खिलाफ वाइट बॉल गेम का हिस्सा नहीं हैं। मैंने इस सीजन उनके प्रदर्शन को करीब से देखा है। वह शानदार लय और जोश में दिखाई दे रहे हैं। यहां गौश्रतलब है कि भुवनेश्वर कुमार ने भारत के लिए आखिरी मैच 22 नवंबर 2022 को खेला था। यह एक टी20 मैच था जो न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला गया था।भूवी ने इस मैच में 4 ओवर डालते हुए 35 रन दिए थे।सेलेक्टर्स ने उन्हें इस टी20 सीरीज के बाद फिर कभी मौका नहीं दिया। उन्होंने आखिरी टेस्ट साल 2018 में साउथ अफीका के खिलाफ खेला था। उनकी वापसी की उम्मीद भी अब काफी कम है। साउथ अफीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मो. सिराज, मुकेश कुमार, दीपक चाहर।

जूनियर हॉकी विश्व कप: कोरिया को 4-2 से मात देकर भारत की बेहतरीन शुरुआत, अरिजीत की हैट्रिक

कुआलालंपुर (एजेंसी)। मलेशिया के कुआलालंपुर में हुए भारत बनाम दक्षिण कोरिया मुकाबले में अरिजीत सिंह हुंदल की हैट्रिक की मदद से भारत ने दक्षिण कोरिया को 4-2 से हरा दिया है। इसके साथ ही भारत ने एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत कर ली है।

अरिजीत ने 11वें, 16वें और 41वें मिनट में गोल किये। भारत की तरफ से एक अन्य गोल अमनदीप ने 30वें मिनट में किया। दक्षिण कोरिया की तरफ से दोह्युन लिम (38वें) और मिंकवोन किम (45वें) ने गोल किये। भुवनेश्वर में 2021 में खेले गए विश्व कप में कांस्य पदक के मैच में फ्रांस से हारने वाले भारत ने कोरिया पर शुरू से ही दबाव बनाए रखा। अरिजीत ने पहले क्वार्टर में ही पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई।

भारत ने इसके बाद भी दबदबा बनाए रखा। अरिजीत और अमनदीप ने दूसरे क्वार्टर में मैदानी गोल किए, जिससे भारत मध्यांतर तक 3-0 से आगे था। दक्षिण कोरिया ने तीसरे क्वार्टर में लिम के गोल से वापसी करने की कोशिश की लेकिन भारत की तरफ से अरिजीत ने तुरंत ही चौथा गोल

करके अपनी हैट्रिक भी पूरी की। भारत 4-1 की बढ़त हासिल करने के बाद थोड़ा ढीला पड़ गया जिसका फायदा उठाकर किम ने गोल दाग दिया।

दक्षिण कोरिया हालांकि इससे हार का अंतर ही कम कर पाया। भारत पूल सी में अपना अगला मैच स्पेन के खिलाफ खेलेगा। इस ग्रुप की चौथी टीम कनाडा है। भारत ने इससे पहले 2001 और 2016 में खिताब जीता था जबकि 1997 में वह उपविजेता रहा था।

आज टीम को खिलाड़ी के रुप में नहीं एक कप्तान के रुप में रोहित की जरुरत : कैफ

विशाखापतनम।विश्व कप 2023 के रोमांचक फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सपनों को चकनाचूर किया और अब क्रिकेट जगत का ध्यान टी20 विश्व कप 2024 पर केंद्रित हो चुका है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि हार के बीच रोहित शर्मा का नेतृत्व पहले से कहीं अधिक चमक रहा है। कैफ ने कहा, टी20 विश्व कप 2024 में टीम का नेतृत्व करने के लिए आपको बल्लेबाज रोहित से ज्यादा कप्तान रोहित की जरूरत है। अब जैसे कि टी20 विश्व कप नजदीक है, सवाल उठता है कि क्या रोहित भारतीय टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे, या कोई नया कप्तान पद संभालेगा? कैफ एक खिलाड़ी और एक नेता दोनों के रूप में रोहित की प्रतिभा को स्वीकार करते हैं, का तर्क है कि मुंबईकर की कप्तानी अपरिहार्य है, खासकर हार्दिक पंड्या की अनुपस्थिति में। कैफ ने कहा, रोहित को वहां रहना होगा क्योंकि उनमें नेतृत्व की गुणवत्ता है। उन्होंने वनडे विश्व कप के दौरान लचीलापन और कौशल का प्रदर्शन करने वाली टीम का मार्गदर्शन करने में रोहित की भूमिका के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, जिस तरह से उन्होंने विश्व कप में नेतृत्व किया, उन्होंने एक नेता के रूप में शानदार काम किया है। भारत को टी20 में भी उनके अनुभव की जरूरत होगी। विराट कोहली और रोहित के सफेद गेंद वाले क्रिकेट से ब्रेक लेने के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम में चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे की अनुपस्थिति पर सवाल उठ रहे हैं।कैफ ने विशेष रूप से पुजारा की चूक के बारे में भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, श्रेयस अय्यर आपके लिए पुजारा की जगह भरना कठिन होगा। मुझे नहीं पता कि पुजारा को क्यों नहीं चुना गया है। आप अपने प्रमुख बल्लेबाज के बिना अफ्रीकी दौरे पर नहीं जा सकते, आप मौजूदा या पिछले फॉर्म पर भरोसा नहीं कर सकते, जिस चीज की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है उसे अनुभव कहा जाता है और भारत को इसकी कमी खलेगी।कैफ ने कहा, उनके गेंदबाजों ने पूरे टूर्नामेंट में संघर्ष किया, वार्नर, स्मिथ, मार्श ने बल्ले से संघर्ष किया, स्टार्क, हेजलवुड लय में नहीं थे, फिर आप कैसे कह सकते हैं कि जो जीतता है वह सर्वश्रेष्ठ टीम है। भारतीय टीम को देखते हुए रोहित ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया। पूरे टूर्नामेंट में विराट ने मजबूत मध्यक्रम के साथ पारी की कमान संभाली। हमारे तेज गेंदबाज शानदार थे, मोहम्मद शमी जो शुरुआती मैच नहीं खेल सके, टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए।

आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर की सूची में तीन भारतीय खिलाड़ियों के नाम

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी पुरस्कार आने वाली हैं। इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों में आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर एक विशेष स्थान रखता है, जो सभी प्रारूपों में एक खिलाड़ी की उत्कृष्टता को सम्मानित करता है। जैसे-जैसे वर्ष 2023 अपने अंत के करीब पहुंच रहा है, प्रशंसकों के बीच उत्साह अपने चरम पर पहुंच गया है। हर किसी के मन में सवाल है कि 2023 के लिए आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर का ताज किस खिलाड़ी को पहना जाएगा।

सबसे पहले नाम हैं, शुभमन गिल का, जो कि 2023 में एक क्रिकेट सनसनी के रूप में उभरे हैं, उन्होंने 45 मैचों में 50.42 की प्रभावशाली औसत के साथ 7 शतकों सहित 2118 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए हैं। उन्होंने आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी शीर्ष स्थान हासिल किया। वह पुरुषों के वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। सभी प्रारूपों में गिल का लगातार अच्छा प्रदर्शन और प्रत्येक प्रारूप में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की विशिष्ट सूची में उनका शामिल होना उन्हें इस पुरस्कार का प्रबल दावेदार बनाता है।

इसके बाद डेरिल मिशेल ने बल्ले और गेंद दोनों से अपना कौशल दिखाया है। उन्होंने साल 2023 में 47 मैचों में 42.64 की औसत और छह शतकों के साथ 1919 रन बनाए है। इसके अलावा उन्होंने गेंद से भी महत्वपूर्ण योगदान देकर 24 विकेट हासिल किए। वनडे विश्व कप 2023 में न्यूजीलैंड के लिए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया जोकि उन्हें इस पुरस्कार का दावेदार बना रहा है।

टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 34 मैचों में 66.68 के औसत से 1934 रन बनाए, जिसमें 8 शतक शामिल थे। कोहली के शानदार विश्व कप अभियान ने उन्हें सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गजों के पहले के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए देखा। अपने शानदार रन-स्कोरिंग और नेतृत्व गुणों के साथ कोहली आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर के प्रबल दावेदार बने हुए हैं।

कैमरे पर नहीं दिखाने पर नीरज चोपड़ा ने दी सफाई, मैं बस मैच देखने गया था

नई दिल्ली ।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप को देखने नीजर चौपड़ा भी गए थे। लेकिन उन्हें टीवी पर नहीं दिखाए जाने को लेकर काफी चर्चाएं हुईं। अब उन्होंने अपनी सफाई में कहा कि वह केवल मैच देखने गए थे। बता दें कि फाइनल मुकाबला 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया था। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इस मुकाबले में आसान जीत दर्ज की। तब वर्ल्ड कप फाइनल देखने के लिए भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा भी पहुंचे थे। विश्व कप के बाद इस बात पर काफी चर्चा हुई कि फाइनल मैच के दौरान उन्हें टीवी पर नहीं दिखाया गया। अब नीरज ने इसपर खुद खुलासा किया है। नीरज चोपड़ा ने मीडिया से एक इंटरव्यू के दौरान कहा, कि जब मैंने डायमंड लीग में पार्टिसिपेट किया था तो उन्होंने मुझे अच्छी तरह से टेलीकास्ट नहीं किया था। मैं अहमदाबाद बस मैच देखने के लिए गया था। मैंने मैच को काफी इंज्वॉय किया। मुझे तब और अच्छा लगता अगर इंडिया फाइनल जीत जाता। मैं ये कभी नहीं चाहता हूं कि कैमरे में मुझे दिखाया जाए। मेरा यह पहला क्रिकेट मैच भी था जिसे मैंने पूरा देखा था।

दीपा करमाकर बोली- ओलंपिक पदक जीतने का सपना नहीं भूली

कोलकाता (एजेंसी)। दीपा करमाकर ने अपने करियर में समान रूप से गौरव और पीड़ा देखी है लेकिन इस स्टार भारतीय जिम्नास्ट ने सोमवार को कहा कि वह अभी पेरिस ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करने के अपने सपने को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं और शायद पदक के साथ वापसी करेंगी। रियो ओलंपिक 2016 में चौथे स्थान पर रहकर इतिहास रचने वाली दीपा ने तब से अधिक मुश्किल हालात का सामना किया है। दीपा को घुटने की दो एसीएल सर्जरी का सामना करना पड़ा जिसके लिए लिगामेंट प्रत्यारोपण अनिवार्य था और डोप परीक्षण में विफल होने के कारण उन पर 21 महीने का प्रतिबंध लगा लेकिन अब वह वापसी की राह पर हैं।

दीपा ने कहा कि मैं अब पूरी तरह से फिट हूं। मैंने (प्रोडुनोवा) वॉल्ट चोट की संभावना को जानने के बावजूद किया। उन्होंने कहा- लेकिन मैं अपना शत प्रतिशत दे रही हूं और अपने कोच (बिश्वेश्वर नंदी) के मार्गदर्शन में काफी कड़ी मेहनत कर रही हूं ताकि मैं इससे उबर सकूं और एक पदक जीत सकूं, उसके बाद ही मैं जिम्नास्टिक से संन्यास लूंगी।

अक्टूबर में बेल्जियम में विश्व चैंपियनशिप से चूकने के बाद दीपा की पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करने की राह कठिन है लेकिन वह सकारात्मक रहना चाहती हैं और अपने प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना अब बहुत कठिन है। मैं प्रशिक्षण में अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हूं।

पिछली बार सितंबर में हंगरी में विश्व चैलेंज कप में हिस्सा लेने वाली दीपा अब अगरतला में नंदी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं। हांगझोउ एशियाई खेलों की टीम से भी दीपा का नाम हटा दिया गया क्योंकि वह पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती थीं लेकिन वह उस निराशा से भी आगे बढ़ चुकी हैं।

अपनी फटी एड़ियों को मुलायम बनाएं ऐसे

ठंड के कारण क्या आपकी भी एड़ियां फटने लगी हैं? अगर हां, तो हम आपको ऐसे तरीके बताने जा रहे हैं, जो न सिर्फ इन्हें ठीक कर देंगे बल्कि पुरानी वाली कोमलता और चमक भी वापस आ जाएगी। इससे आपकी एड़ियां ऐसी दिखने लगेंगी, जैसे आप पेडीक्योर करवाकर आई हों।

पेट्रोलियम जेली

लगभग हर किसी के घर में पेट्रोलियम जेली मौजूद होती है। किसी के यहां छोटी शीशी तो किसी के यहां बड़ी। इसी को आपको बस रोज रात को लगाना है। पहले अपने पांव अच्छे से धो लें और एड़ियों को प्यूमिक स्टोन से स्क्रब करें। इन्हें तौलिये से पोंछने के बाद पेट्रोलियम जेली लगाएं और फिर कॉटन के सॉक्स पहन लें। सात दिन तक लगातार ऐसा करें।

नारियल का तेल

नारियल का तेल अपनी मॉइस्चराइजिंग क्वॉलिटी के लिए जाना जाता है। इसकी यही खूबी फटी एड़ियों को भी सही करने का काम करती है। हल्के गर्म पानी से पांव धोने के बाद उन्हें अच्छे से सूख जाने दें। इसके बाद हल्का गर्म नारियल का तेल तलवों पर लगाएं और मसाज करें। इसके ऊपर सूती के मोजे पहनें और सो जाएं। सुबह नॉर्मल पानी से इन्हें धो लें।

बटर या मलाई

आपके पास बिना सॉल्ट वाला बटर हो या फिर मलाई, तो उसे भी फटी एड़ियों पर लगाया जा सकता है। धुले हुए पैरों पर इसे लगाकर अच्छे से मसाज करें और मोजे पहन लें। सोने से पहले फिर पानी से पैर धोएं और उस पर थिक क्रीम लगा लें। ये तरीका एक-दो दिन में ही फटी एड़ियों पर असर दिखाने लगेगा।

क्रीम का करें इस्तेमाल

अगर आपकी एड़ियों पर डीप क्रैक्स हैं, तो उन्हें जल्दी हील करने के लिए मार्केट से स्पेशल क्रीम्स भी लाई जा सकती हैं। ये क्रीमें खासतौर पर क्रैक्ड हील्स के लिए बनाई जाती हैं, ऐसे में एक सप्ताह के अंदर ही आपको अपनी एड़ियां सही होती दिखने लग जाएंगीं। अगर तलवे ज्यादा गहरे नहीं कटे-फटे हैं, तो उन पर ऊपर दिए गए तरीके आजमा सकते हैं।

लटकन वाले दुपट्टे लेडीज की नई पसंद

आजकल शादियों का मौसम है ऐसे में मार्केट में लटकन वाले दुपट्टों की भरमार है। दुपट्टों और ब्लाउज को ज्यादा खूबसूरत और हैवी दिखाने के लिए उसमें लटकन का इस्तेमाल आजकल आम बात है। चाहे साड़ी हो या लहंगा या फिर कोई दुपट्टा लटकन हर ड्रेस की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं।

मार्केट में लटकन की तरह-तरह की स्टाइलिस्ट वेरायटी मौजूद है। कभी-कभी आपको इस बात की उलझन होती है कि कौन सी लटकन आपके दुपट्टे या फिर ब्लाउज के लिए सही रहेगी। लटकन में मिरर वर्क आजकल ज्यादा ट्रेंड में है। यह ट्रेंडी दिखने के साथ ही कपड़ो को क्लासी लुक भी देते हैं। मिरर वर्क वाली लटकन की इतनी ढेर सी वेरायटी मार्केट में मिल रही है कि आप कन्फ्यूज हो जाते हैं कि आपको अपने दुपट्टे के लिए किस तरह का लटकन लेना चाहिए। आइये देखते हैं कुछ मिरर वर्क के ऐसे डिजाइंस जो आप अपनी ड्रेस के हिसाब से सेलेक्ट कर सकती हैं।

मल्टी लेयर की मिरर वाली लटकन

मल्टी लेयर की लटकन को आप साड़ी, लहंगा और दुपट्टे सब के लिए ट्राई कर सकती हैं। इसको आप ब्लाउज के लिए भी ट्राई कर सकती हैं। मल्टी लेयर वाले लटकन प्राइज़ में भी कम होते हैं। ये आपको 150 से लेकर 200 रुपए तक में मिल जायेंगे।

मिरर के साथ फ्लोरल वर्क वाली लटकन

फ्लोरल डिजाइन वाले लटकन ज्यादातर हैंडमेड होते हैं। फ्लोरल वर्क के साथ मिरर वर्क देखने में काफी खूबसूरत होते हैं। इनको हैवी ड्रेसेस के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसे लहंगे के लिए ट्राई कर सकती हैं। इनकी कीमत 300-400 रुपए तक होती है। ये हैवी वर्क वाले ब्लाउज की डोरियों पर भी लगा सकती हैं।

मोतियों और मिरर वाली लटकन

मिरर के साथ मोतियों का वर्क देखने में बहुत सोबर लगता है। इस तरह के लटकन को ज्यादातर हैवी साड़ियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। मोतियों और मिरर के साथ इनमें धागे का भी वर्क देखने को मिल जायेगा। इनकी प्राइज 200-300 रुपए तक होती है।

पोम पोम मिरर वर्क वाली लटकन

ये आजकल बहुत ट्रेंड में हैं। पोम-पोम का इस्तेमाल दुपट्टे से लगाए कैरी बैग तक की खूबसूरती बढ़ाने के लिए किया जाता है। इस तरह के डिजाइन वाले लटकन हल्के दुपट्टों और सूट के लिए ट्राई कर सकती हैं। ये बहुत कलरफुल होते हैं तो इनको किसी सिंपल सूट में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इनकी प्राइज़ 100-150 रुपए तक है।

धागों और मिरर वाले लटकन

धागे और मिरर के वर्क वाले लटकन साड़ियों के किनारों के सजाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। ये बहुत कलरफुल होते है तो किसी लाइट कलर के दुपट्टे के लिए इसको ट्राई किया जा सकता है। ये हैंडमेड होते हैं और कीमत भी कम होती है।

लैश हेयर के अनुसार ही चुनें आईलैश

महिलाएं मेकअप करते समय आई मेकअप का विशेष ध्यान रखती हैं। जिससे उनकी आंखें ज्यादा खूबसूरत दिखे। इसके लिए वो आई लाइनर, आई शैडो, मस्कारा का इस्तेमाल करती हैं। आंखों को हाईलाइट करने के लिए आईलैश अप्लाई करती हैं। आईलैशेस के बिना आंखों का मेकअप पूरा नहीं होता। कभी-कभी गलत आईलैशेस अप्लाई करने से पूरा मेकअप ख़राब हो जाता है।

जिगजैग आईलैश- अगर आपकी आईलैश कम हैं या बिलकुल ना के बराबर हैं तो आपके लिए जिगजैग आईलैशेस सही रहेंगी। ये आईलैश बहुत हैवी नहीं होती हैं आप इसे किसी भी मौके पर अप्लाई कर सकती हैं। जिगजैग आईलैश की और भी बहुत सी वैरायटी आपको मिल जाएगी। आप अपने हिसाब से चुन सकती हैं। ये आईलैशेस आप शादी जैसे बड़े फंक्शन के लिए भी इस्तेमाल कर सकती हैं। आईलैशेस अप्लाई करने के बाद मस्कारा जरूर लगायें। जिगजैग आईलैश को हल्का कर्ल करें। इसको बहुत ज्यादा कर्ल नहीं करना है।

परफेक्ट मिंक आईलैश- अगर आपकी आईलैश नार्मल हैं या कम हैं और आंखें छोटी हैं तो आपके लिए मिंक आईलैश परफेक्ट हैं। ये आईलैश सभी के लिए परफेक्ट हैं। मिंक आईलैश आप किसी सामान्य फंक्शन या त्यौहार के लिए सेलेक्ट कर सकती हैं। मिंक आईलैश अप्लाई करने के बाद इसको कर्ल करना ना भूलें। मैचिंग मस्कारा अप्लाई करके आप आईलैश की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं। मिंक आईलैश बहुत महंगी नहीं होती हैं। अगर आपकी आईलैश नार्मल है बहुत कम या बहुत ज्यादा नहीं हैं तो भी यह आपके लिए परफेक्ट है।

हैवी आईलैश- हैवी आईलैश का इस्तेमाल किसी भी मौके पर नहीं किया जा सकता ये दिखने में बहुत हैवी होते हैं। अगर आपकी आंखें छोटी हैं और आईलैश कम है तो आप हैवी आईलैश इस्तेमाल ना करें क्योकि इससे आपकी आंखें ज्यादा छोटी नजर आ सकती हैं। हैवी आईलैश ज्यादातर ब्राइडल मेकअप के लिए इस्तेमाल किया जाता है। अगर आंखें साधारण हैं और आईलैश बहुत कम है तो आप हैवी आईलैश का इस्तेमाल ना करें। आप मीडियम आईलैश अप्लाई कर सकती हैं। हैवीआईलैश अप्लाई करने के बाद अच्छी तरह से मस्कारा अप्लाई करें। आईलैश अप्लाई करने के बाद कर्लर का इस्तेमाल जरूरी है खासकर हैवी आईलैशेस के साथ। इससे आपकी आंखें हाइलाइट हो जाती है। कर्ल की हुई आईलैश से आप पहले से ज्यादा खूबसूरत दिखाई देंगी।

लहंगा हो रहा महंगा

लहंगा शॉपिंग की बात हो और तो पहले उसके बाजार को समझना होगा। जिसमें कपड़ा, रंग, कढ़ाई और डिजाइन अहम भूमिका निभाते हैं। दुल्हन का किसी लहंगे पर दिल आ जाए तो मम्मी-पापा जेब नहीं देखते। आप भी लहंगे के फैशन सेंस को समझने के लिए लहंगे पर होने वाले काम और कारीगरों की मेहनत को जान लीजिए। कपड़ा और कलर पसंद का मिलने के बाद लहंगे पर हुआ काम या कारीगरी सबसे ज्यादा पसंद आने वाली चीज है। लहंगे में कई तरह की कारीगरी होती है, जिसमें जरदोजी का काम सबसे अहम माना जाता है।

नूरजहां के टाइम में शुरू हुई ज़रदोज़ी और चिकनकारी

जरदोजी शब्द फ़ारसी के ज़र से बना है। इसका मतलब हुआ कपड़े पर सोने के तारों से कढ़ाई। ये चलन मुगल साम्राज्ञी नूरजहां के समय शुरू हुआ और अवध के नवाबों के समय में ज़रदोज़ी और चिकनकारी अपनी बुलंदी पर पहुंचे। इसीलिए पारंपरिक ज़रदोज़ी के प्रमुख ठिकाने अवधी इलाके लखनऊ, बरेली और फ़र्रुखाबाद, बनारस वगैरह हैं। मुगलों और राजस्थान के राजपूत घरानों में वैवाहिक संबंध रहे, तो राजस्थानी शैली में जरदोजी के काम का एक केंद्र जयपुर बना।

वाजिद अली शाह अवध से विस्थापित होकर कलकत्ता के मटियाबुर्ज में रहे और उनके साथ अवध के कई हुनर कलकत्ता पहुंचे। इसी के चलते ज़रदोज़ी के पुराने ठिकानों में कलकत्ता का नाम भी जुड़ गया।

गुजरात का सूरत शहर मशीन पर होने वाले ज़रदोज़ी के काम का आज बड़ा ठिकाना है। मशीन और हाथ के काम के अंतर और इनकी कीमतों का हिसाब-किताब समझेंगे, लेकिन उससे पहले अलग-अलग तरह के काम को विस्तार से समझते हैं।

फैशन डिजाइनर फर्रुखाबाद आकर तैयार करवाते हैं कलेक्शन

बताया गया कि फर्रुखाबाद में ज़रदोज़ी का बहुत बड़ा कारोबार है। इसी शहर के अली हुसैन भी हाथ से बने ज़रदोज़ी के लहंगों का काम करते हैं। अली भाई बताते हैं कि शादियों के सीजन में कई बार उनकी सांसें अटकी रहती हैं, क्योंकि लहंगा ऑर्डर देने वाली लड़कियों को अपनी शादी के दिन सबसे सुंदर दिखने की चाह होती है।

कई बार ऐसा होता है कि अगर भावी दुल्हन को लहंगे के काम और खूबसूरती

को लेकर जरा भी शक हो जाए तो महीनों की मेहनत पर पानी फिर सकता है। हजारों-लाखों की कीमत का लहंगा अगर शादी करने वाली लड़की के मन से उतर गया, तो फिर सिचुएशन को संभालना बड़ा मुश्किल होता है। अब भले ही यह बात हल्के-फुल्के अंदाज़ में कही गई हो, लेकिन लड़कियों की पोशाक में लहंगा एक ऐसी चीज है, जिसकी बराबरी दूसरी किसी ड्रेस से नहीं हो सकती। फिर शादी के लिए बने लहंगों की तो बात ऐसी है कि उसकी सुंदरता के आगे कीमत, महंगाई और दूसरी बातें फीकी पड़ जाती हैं। भले ही एक-दो बार पहना जाए, लेकिन उसे संभालकर पीढ़ियों के लिए रखा जाता है। कहते हैं ना कि शौक बड़ी चीज है।

'लहंगा है महंगा मेरा'

हम कह सकते हैं कि माधुरी दीक्षित आखिरी हीरोइन हैं जिनके लिए इस देश में अलग लेवल की दीवानगी देखी गई। अगर शाहरुख खान ने शादियों में रंगीन कुर्तों और दुपट्टे का चलन शुरू किया, तो माधुरी दीक्षित के खाते में लहंगे और ज़रदोज़ी को पॉपुलर फैशन बना देने का श्रेय जाता है। माधुरी पर फिल्माए कई गाने और उन गानों में पहने गए लहंगे दोनों ही हिट हैं जिसे लड़कियां अपनी शादी में कॉपी करना पसंद करती हैं।

बाथरूम की टाइलों पर लगी फफूंद ऐसे होगी साफ

बाथरूम घर की वो जगह है, जहां सबसे ज्यादा बैक्टीरिया पाए जाते हैं। इसलिए इसे हर दो दिन में साफ करना चाहिए। बिना धूप वाली जगह पर नमी के कारण मोल्ड और फफूंदी बढ़ती है। इसे समय पर साफ न किया जाए, तो स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसे ज्यादातर टाइल्स, बाथरूम की सतह, शॉवर और टब के चारों तरफ किनारों पर जमा होते देखा जाता है। अगर आपकी बाथरूम की टाइल्स पर फफूंदी जमने लगती है, तो इसे छुटकारा पाने के उपाय यहां दिए गए हैं।

विनेगर- विनेगर खुद एक क्लीनिंग एजेंट है। आधा कप विनेगर और आधा कप पानी मिलाकर सॉल्यूशन तैयार करें। इस सॉल्यूशन को फफूंदी वाली जगह पर स्प्रे करें और ब्रश से स्क्रब करें।

ब्लीच- ब्लीच मोल्ड और फफूंदी को तुरंत हटा देता है। द कप ब्लीच और 3/ 4 कप पानी लेकर सॉल्यूशन बनाएं। अब इस सॉल्यूशन को टाइल्स पर स्प्रे करें और अच्छे पानी से धो लें। ध्यान रखें कि फर्श पर ब्लीच पूरी तरह से साफ हो जाए, क्योंकि यह बहुत चिकना होता है। आपको चोट आ सकती है।

अमोनिया- अमोनिया की मदद से भी बाथरूम के मोल्ड और फफूंदी से छुटकारा पाया जा सकता है। सबसे पहले एक स्प्रे बोतल में अमोनिया भरें। बाथरूम में प्रभावित क्षेत्रों पर इसे स्प्रे करें। इन गंदी जगहों को ब्रश से स्क्रब करें और फिर 2 घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। सूखने के बाद इसे साफ कर लें।

कभी-कभी मोल्ड बाथरूम में पाइप वर्क के फटने और पाइप लीक होने जैसी समस्याओं का संकेत भी देते हैं। जिस पर किसी का ध्यान नहीं जाता। पाइप के लीक होने के कारण नमी लगातार बनी रहती है, जिससे मोल्ड और फफूंद को आने की अनुमति मिलती है।

सर्दियों में वैक्सिंग करते समय न करें ये गलतियां

सर्दियों में त्वचा रूखी और खुरदरी हो जाती है इसलिए वैक्सिंग कराते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। कुछ महिलाएं विंटर में वैक्सिंग कराने से बचती हैं, लेकिन ऐसा करना सही नहीं है। कुछ महिलाएं सोचती हैं कि सर्दियों में वैक्स कराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि गर्म रखने के लिए आपके हाथ और पैर बालों से ढके रहेंगे। लेकिन ऐसा करना सही नहीं है। हर मौसम की तरह सर्दियों में भी वैक्स कराते रहना चाहिए।

वैक्सिंग शरीर से बालों को हटाने का सबसे लोकप्रिय तरीका है। हाथ, पैर, अंडरआर्म, यहां तक कि पीठ के बालों को भी वैक्सिंग से आसानी से हटाया जा सकता है। वैक्सिंग के बाद स्किन सॉफ्ट हो जाती है। वैक्सिंग से लंबे समय तक अनचाहे बालों से छुटकारा मिलता है इसलिए ज्यादातर महिलाएं हेयर रिमूविंग का यही तरीका अपनाती हैं।

वैक्सिंग से बाल जड़ से हट जाते हैं और धीरे-धीरे समय के साथ बालों का विकास कम होने लगता है। लगातार वैक्सिंग करने से इसके सेशन के बीच का अंतराल बढ़ने लगता है। इसकी वजह है कि वैक्सिंग से धीरे-धीरे बालों का विकास कम होने लगता है और वापस उगने वाले बाल भी सॉफ्ट होते जाते हैं।

सर्दियों में वैक्सिंग है जरूरी

कहा जाता है कि वैक्सिंग के लिए सर्दियां बेहतर समय होता है, क्योंकि इसके परिणाम लंबे समय तक रहते हैं। सर्दियों में बाल धीरे-धीरे वापस बढ़ते हैं। अगर आप सर्दियों में वैक्सिंग बंद कर देंगी तो बाल लंबे हो जाएंगे और लंबे बालों की वैक्सिंग कराने में दर्द होगा। इसलिए सर्दियों में वैक्सिंग जरूर करवाएं। आप जितना जल्दी वैक्स करेंगी, दर्द उतना कम होगा। सर्दियों में आप चार हफ्ते के बाद वैक्स कर सकती हैं।

सर्दियों में वैक्सिंग के दर्द से बचने के लिए कुछ लोग शेव करते हैं, लेकिन इससे बाल जल्दी आ जाते हैं और उनका टैक्स्चर भी सॉफ्ट नहीं रहता। वैक्सिंग से बाल जड़ से निकलते हैं, स्किन सॉफ्ट होती है और टैनिंग भी ठीक हो जाती है

नींबू और शक्कर का वैक्स

खुद करने के बजाय आप किसी ब्यूटी सैलून में भी वैक्सिंग करा सकती हैं। ज्यादातर ब्यूटी सैलून वैक्स तैयार करने के लिए चीनी और नींबू के मिश्रण का उपयोग करते हैं। ये नेचुरल इंग्रीडिएंट्स हेयर रिमूविंग क्रीम में मौजूद केमिकल से ज्यादा सुरक्षित हैं। चीनी और नींबू दोनों में एक्सफोलिएटिंग गुण हैं जो डेड सेल्स को हटाकर स्किन को सॉफ्ट बनाते हैं। यह हाथ और पैरों से टैन हटाने में भी मदद कर सकता है। इसलिए वैक्सिंग के बाद त्वचा चिकनी और चमकदार दिखती है।

मार्केट में मिलने वाले वैक्स

आजकल, विभिन्न प्रकार के वैक्स उपलब्ध हैं जो सर्दियों के दौरान त्वचा की मदद करते हैं, जैसे लिपोसॉल्युबल वैक्स, जिसमें प्राकृतिक तत्व होते हैं, जैसे कि वेजीटेबल ऑयल, जो त्वचा को पोषण देते हैं और मॉइस्चराइज करते हैं। सॉफ्ट, क्रीमी टेक्सचर के कारण इसे फैलाना आसान है। इस वैक्स के इस्तेमाल से स्किन सॉफ्ट हो जाती है। यह टैन और डेड सेल्स को हटाने में भी मदद करता है, जिससे स्किन सॉफ्ट और शाइनी बनती है।

अब चॉकलेट वैक्स भी मिलने लगा है, जो त्वचा के लिए भी फायदेमंद है। रेडी-टू-यूज वैक्स भी उपलब्ध हैं, जिनमें पैराफिन होता है, जो एक प्राकृतिक तत्व भी है। बेहतर परिणाम के लिए, वैक्स को बालों के बढ़ने की दिशा में लगाया जाता है, जबकि पट्टी को विपरीत दिशा में खींचा जाता है।

सावधानी

अगर आपकी त्वचा पर वैक्सिंग के बाद रैशेज होने का खतरा है, तो आप एस्ट्रिंजेंट लोशन लगा सकती हैं।

सर्दियों में वैक्सिंग के बाद एलोवेरा जेल लगाएं। एलोवेरा एक शक्तिशाली मॉइस्चराइजर है, जो त्वचा को मुलायम बनाता है। इसमें जिंक भी होता है, जो जलन कम करने में मदद करता है।

सर्दियों में जब हम धूप में बैठते हैं तो त्वचा अधिक सांवली हो जाती है, इसलिए वैक्सिंग के तुरंत बाद त्वचा को धूप के संपर्क में लाएं।

राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म कर्ण में नयनतारा की होगी एंट्री

फिल्मों से ज्यादा अपनी ग्लैमरस तस्वीरों के लिए फेमस दिशा पाटनी के लिए 2024 काफी अहम होने जा रहा है। नए साल में उनकी तीन फिल्में कल्कि 2898 एडी, योद्धा और कंगुवा रिलीज होंगी, लेकिन अहम खबर यह आ रही है कि उन्हें राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म कर्ण से निकाल दिया गया है। उनकी जगह साउथ ही एक और हीरोइन का नाम अब इस फिल्म के लिए चल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, महाभारत के बेहद चर्चित पात्र कर्ण पर बन रही फिल्म का दिशा को भी बेसब्री से इंतजार था। हालांकि अब चर्चा है कि फिल्म डायरेक्टर राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने फिल्म के लिए किसी ऐसी हीरोइन की तलाश शुरू कर दी है, जो दक्षिण भारत से हो, लेकिन उसकी पहचान हिंदी पट्टी में भी हो। फिलहाल इसमें शाहरुख खान की फिल्म जवान की हीरोइन नयनतारा का नाम सबसे आगे चल रहा है।

क्या नयनतारा की होगी एंट्री

चर्चा है कि ये फिल्म अगले साल जनवरी तक फ्लोर पर आ जाएगी। अगर नयनतारा इस फिल्म में हुईं तो फिल्म को डबल फायदा मिल सकता है। एक्ट्रेस की हिंदी के साथ साउथ पट्टी में जबरदस्त पॉपुलैरिटी है। हालांकि अभी तक इस बारे में ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है। खबरें तो ये भी आई थीं कि राकेश ओम प्रकाश मेहरा की कर्ण से साउथ एक्टर सूर्या हिंदी डेब्यू कर सकते हैं। वह इस फिल्म में लीड रोल प्ले कर सकते हैं। हालांकि उनकी ओर से भी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

तब्बू ने ठुकराई कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी और तब्बू की कॉमेडी हॉरर फिल्म भूल भुलैया 2 एक बड़ी हिट साबित हुई थी। फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था। यह अक्षय कुमार और विद्या बालन की 2007 की फिल्म भूल भुलैया का सीक्वल थी। तीसरी किस्त को लेकर हलचल मची हुई है। हालांकि, तब्बू शायद इसका हिस्सा नहीं होंगी। चलिए जानते हैं फिल्म को लेकर क्या नया अपडेट सामने आया है। भूल भुलैया 2 में तब्बू की भूमिका को खूब सराहा गया और फिल्म एक बड़ी व्यावसायिक सफलता साबित हुई। हालांकि, हो सकता है कि उन्होंने इसकी तीसरी किस्त के लिए न कह दिया हो। एक पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, भारी रकम ऑफर होने के बावजूद अभिनेत्री ने भूल भुलैया 3 को ठुकरा दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार अभिनेत्री का कहना है कि मंजुलिका की भूमिका उनके बहुत करीब है, लेकिन वे इसे जल्द ही दोबारा करने के लिए उत्सुक नहीं हैं। कथित तौर पर तब्बू इस भूमिका को दोबारा निभाने से पहले इंतजार करना चाहती हैं। दूसरी ओर निर्माता फिल्म को जल्द से जल्द शुरू करने के इच्छुक हैं।

कार्तिक के साथ तब्बू की जोड़ी

फिल्म के लिए कार्तिक आर्यन के साथ फ्रेंचाइजी के सीक्वल के बारे में बातचीत शुरू हो चुकी है। फिल्म भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा समर्थित और अनीस बज्मी के जरिए निर्देशित होगी। ऐसे में निर्माता तब्बू को फिर से फिल्म में लाने के लिए बहुत उत्सुक थे, क्योंकि उन्हें लगा कि कार्तिक और तब्बू दोनों एक ऐसी जोड़ी है, जिन्होंने दूसरे भाग के लिए अद्भुत काम किया है और ठीक यही वे तीसरे भाग के साथ भी करेंगे। हालांकि, अब खबर है कि तब्बू ने इस फिल्म को ठुकरा दिया है।

एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स में वेदांग रैना ने दी आवाज

अपकमिंग फिल्म द आर्चीज से अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे वेदांग रैना ने ट्रैक एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स के जरिए अपनी गायकी का हुनर दिखाते हुए सिंगिंग में हाथ आजमाया। द आर्चीज में सुहाना खान, वेदांग रैना, खुशी कपूर, अगस्त्य नंदा, डॉट, युवराज मेंडा और मिहिर आहूजा भी हैं। द आर्चीज न केवल एक अभिनेता के रूप में बल्कि एक गायक के रूप में भी वेदांग की पहली फिल्म है। फिल्म में रेगी मेंटल का किरदार निभाने वाले अभिनेता ने एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स गाने में अपनी आवाज दी है। यह गाना एक ग्रूवी, पेपी नंबर है, जो सचमुच आपके दिल को छू जाएगा। एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स में शंकर, एहसान, लॉय ने म्यूजिक दिया और यह काफी मूड लिफ्टर है। गाने एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स के बारे में बात करते हुए वेदांग ने कहा, मुझे सिंगिंग और म्यूजिक हमेशा से पसंद रहा है, इसलिए फिल्म में अपने किरदार के लिए प्लेबैक करना एक सपने के सच होने जैसा था और मैं इसके लिए बेहद उत्साहित हूं। द आर्चीज म्यूजिकल कॉमेडी फिल्म है। यह 7 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। 1960 के दशक के भारत में स्थापित, आर्ची और गेंग रोमांस, फ्रेंडशिप और रिवरडेल के फ्यूचर को नेविगेट करते हैं।

आयुषी, नीता और अदिति ने आंगन अपनों का पर खुलकर की बात

आगामी शो आंगन अपनों का में किरदार निभाने वाली अभिनेत्री नीता शेट्टी और अदिति राठौड़ ने बताया कि दर्शक एक ऐसी कहानी देखेंगे जो न केवल विशिष्टता को गले लगाती है बल्कि भाईचारे की स्थायी ताकत को भी दिखाती है। आंगन – अपनों का एक मनोरम कहानी है जो न केवल एक पिता और उसकी बेटियों के बीच बिना शर्त बंधन का जश्न मनाती है बल्कि जीवन और विवाह पर शर्मा बहनों के विविध दृष्टिकोण को भी उजागर करती है। आयुषी, सबसे छोटी बेटी पल्लवी शर्मा की भूमिका निभाती हैं, अदिति आज्ञाकारी बेटी तन्वी शर्मा की भूमिका में हैं, और नीता सबसे बड़ी बेटी दीपिका शर्मा की भूमिका निभाती हैं, प्रत्येक अपने पात्रों के साथ कहानी में एक अलग मजा लाती हैं। आयुषी ने कहा, पल्लवी के लिए उसके पिता और बहनें ही उसकी दुनिया हैं। यह देखते हुए कि शादी के बाद उसकी बहन की प्राथमिकताएं नाटकीय रूप से बदल जाती हैं, वह इस तरह के बदलाव की आवश्यकता पर सवाल उठाती है। शादी के बारे में पल्लवी का नजरिया गलत नहीं है, यह बिल्कुल अनोखा है और कई युवा लड़कियों से भी मेल खाता है, जिनकी देखभाल के लिए माता–पिता होते हैं, जिनमें मैं भी शामिल हूं। नीता ने साझा किया, दीपिका एक आधुनिक महिला है जो रूढ़िवादिता को खारिज करती है। वह उन महिलाओं के लिए एक आदर्श है जो अपने घरों को पूरी तरह से प्रबंधित करते हुए काम करने के लिए अपना सब कुछ दे देती हैं। अपने पति की मदद करने, अपनी बहनों के लिए समय निकालने और एक एयर होस्टेस के रूप में आगे बढ़ने की जिम्मेदारियों को निभाते हुए वह एक बहुमुखी सशक्त महिला का प्रतीक हैं। अदिति ने कहा- तन्वी अपनी मुखर और साहसी बहनों की तरह नहीं हैं। पारंपरिक लिंग भूमिकाओं में दृढ़ता से निहित, वह एक पत्नी और मां के रूप में अपनी भूमिका को प्राथमिकता देती हैं और एक समर्पित गृहिणी बनकर संतुष्ट हैं। सबसे छोटी शर्मा बहन पल्लवी की शादी के बारे में एक अनोखी राय है, वह सवाल करती है कि शादी के बंधन में बंधने के बाद महिलाओं को अपनी प्राथमिकताएं क्यों बदलनी पड़ती हैं और अपने माता–पिता को पीछे छोड़ना पड़ता है, जबकि सबसे बड़ी बहन दीपिका घरेलू जिम्मेदारियों और एक समृद्ध करियर के बीच सही संतुलन का प्रतीक बनकर ताकत का प्रतीक है। दूसरी ओर तन्वी आज्ञाकारी बेटी, पत्नी और बहू के रूप में अपनी भूमिका में तीनों में एक अलग गतिशीलता लाती है। लेकिन उनके मतभेदों के बावजूद, शर्मा बहनों का बंधन लचीला बना हुआ है, जो आधुनिक संदर्भ में पारिवारिक बंधनों के सार को चित्रित करता है।

शो पुष्पा इम्पॉसिबल में अश्विन की भूमिका निभाना चुनौतीपूर्ण

शो पुष्पा इम्पॉसिबल में अश्विन की भूमिका निभा रहे अभिनेता नवीन पंडिता ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा कि यह काफी चुनौतीपूर्ण है। पुष्पा इम्पॉसिबल एक दृढ़ चरित्र पुष्पा (करुणा पांडे) की कहानी है, जो जीवन की चुनौतियों का सामना करती है। पिछले कुछ एपिसोड में, पुष्पा को अपने दो बेटों, चिराग (दर्शन गुर्जर) और अश्विन (नवीन पंडिता) के बीच उलझा हुआ देखा जा सकता है। जैसे ही चिराग ने टेंडर घोटाले में अश्विन की संलिप्तता का खुलासा किया, उसने सलाह मांगी कि क्या उसे अपने भाई के बारे में रिपोर्ट करनी चाहिए या नहीं। नवीन ने कहा, हालिया कहानी ने वास्तव में दो भाइयों, चिराग और अश्विन के बीच नाटक को बढ़ा दिया है। मेरा किरदार अश्विन भावनाओं के तूफान के बीच में है, और उसके परिवार के साथ चीजें और भी तीव्र होने वाली हैं। उन्होंने आगे कहा, इस भूमिका को निभाना काफी चुनौतीपूर्ण है क्योंकि मुझे एक ऐसे व्यक्ति की जटिल भावनाओं को दिखाना है जो सिर्फ अपने परिवार के लिए सर्वश्रेष्ठ चाहता था। अश्विन के लिए यह एक आसान यात्रा नहीं है और दर्शक भावनाओं के उतार–चढ़ाव की उम्मीद कर सकते हैं। पुष्पा इम्पॉसिबल सोनी सब पर प्रसारित होता है।

रश्मिका मंदाना के पास करियर चुनने का नहीं था कोई ऑप्शन

कन्नड़ और तमिल फिल्मों की खूबसूरत और प्रतिभाशाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने बहुत काम समय में ही हिंदी फिल्म जगत में अपनी जगह बना ली। पुष्पा और गुडबाय की ये एक्ट्रेस इन दिनों चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म एनिमल को लेकर। हाल ही में रश्मिका सोशल मीडिया पर वायरल अपने डीपफेक वीडियो को लेकर भी काफी चर्चा में रही हैं, जिसकी जांच चल रही है।

आज से तीन साल पहले आई पुष्पा ने रातों–रात आपको बॉलिवुड में फेमस कर दिया। बीते तीन सालों के सफर को कैसे देखती हैं आप?

सच कहूं तो यह बहुत ही खूबसूरत एहसास है। पुष्पा मेरा सबसे पसंदीदा और प्यारा प्रोजेक्ट था। श्रीवल्ली के तौर पर शूटिंग करने में मुझे बहुत मजा आया। मेरे नजदीकी और दूर के परिवार वालों को मुझे इस फिल्म देखना बहुत पसंद आया। मैं आज भी कहीं जाती हूं तो लोग मुझे मेरे किरदार से जानते हैं शानवी, लिली, श्रीवल्ली और अब गीतांजलि (एनिमल) तो यह बहुत ही खूबसूरत अनुभव हैं और सच बताऊं तो अपने किरदारों के नाम से जाने जाना ही सबसे कमाल का अनुभव है। अब फिल्म के दूसरे भाग की शूटिंग और प्रॉडक्शन बड़े पैमाने पर शुरू हो गया है। ये आने वाली फिल्म पिछली वाली पुष्पा से बहुत बड़ी होने वाली है। मैं भी इसी फिल्म के इतंजार में हूं और बहुत ही उत्साहित हूं।

कभी सोचा था कि आप इतनी फेमस हो जाएंगी?

मैंने ये कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक आ पाऊंगी, ये लगा कि मैं ये करने में सक्षम हूं। लेकिन मुझे यह भी लगता है कि इसी वजह से मैं आज यहां हूं। एक पंक्ति है और मैं उस पर बहुत विश्वास करती हूं या यूं कहें कि मैं उसी पर चलती हूं।

सायकॉलजी, जर्नलिज्म और इंग्लिश लिटरेचर की स्टूडेंट रश्मिका फिल्मों की हीरोइन कैसे बन गईं? क्या आप हमेशा से हीरोइन बनना चाहती थी?

चलिए आज मैं आपको सच बताती हूं कि मेरे पास चुनने के लिए कोई और विकल्प नहीं था। मैं 11वीं और 12वीं में भी आर्ट की छात्रा थी, तो जब मैं साहित्य, मनोविज्ञान और पत्रकारिता की पढ़ाई करने लगी तब मुझे समझ में आया कि यह करने में तो मुझे बहुत मजा आ रहा है। हीरोइन बनना मेरे सपनों से भी परे था। मैंने सोचा था कि मेरे ग्रैजुएशन की पढ़ाई के बाद मैं घर जाकर अपने पापा के बिजनेस में मदद करूंगी, मगर किस्मत ने मुझे कहीं और ही पहुंचा दिया। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यह इंटरव्यू करूंगी और मुझे ऐसे सवाल पूछे जाएंगे। शायद जिंदगी ऐसी ही होती है, आपको नहीं पता होता है कि आगे क्या होने वाला है। लेकिन जो मिला वो बहुत ही खूबसूरत है और मैं बहुत खुश हूं।

आपकी पहली कमाई क्या थी?

पता है मैंने यह बात आजतक किसी से नहीं कही है। मेरे स्कूल में एक नियम था कि आप अपने जेबखर्च से पैसे इकट्ठा करते हैं और अपनी क्लास टीचर को देते हैं और जो भी सबसे ज्यादा पैसे इकट्ठा करता था, उसको अवॉर्ड मिलता था। वो पैसे समाज कल्याण के लिए दिए जाते थे तो मैं हमेशा अपने मम्मी और पापा के जेब से 5–10 चुरा कर अपने बेड के नीचे बचा कर रखती थी ताकि मैं वो प्राइज जीत सकूं। वो पहली दफा था जब मेरा पैसे से रिश्ता जुड़ा, क्योंकि मेरी आदत नहीं थी कि मैं अपनी मम्मी पापा से पैसे मांगू या आइस क्रीम जैसी कोई चीज मांगू। मेरी पहली तनख्वाह 25 हजार रुपए थी जो मुझे चेक के तौर पर मिली थी।

हीरोइन बनकर फेमस हो जाने के बाद आप सबसे ज्यादा क्या मिस करती हैं?

मैं अपने काम की वजह से हैदराबाद बाद शिफ्ट हो गई हूं और मेरा परिवार मैसूर रहता है तो परिवार से दूर रहना और दोस्तों से दूर रहना एक ऐसी चीज है जो मुझे बहुत याद आती है। मैं उन्हें बहुत मिस करती हूं।

परिवार आपके लिए कितनी अहमियत रखता है? आप परिवार में किसके करीब हैं?

परिवार मेरे लिए हर तरह से अहमियत रखता है। यह हमेशा पहले स्थान पर आता है। परिवार ही तो होता है, जिसके साथ आप पले–बढ़े होते हैं। वह आपके साथ वर्तमान में भी होता है और भविष्य में भी आपका साथ निभाता है। मैं अपने परिवार में किसके करीब हूं, ये एक ऐसा पहलू है, जिसे मैं उजागर नहीं करती। मैं अपने परिवार और व्यक्तिगत जीवन को अपने तक सीमित रखना चाहती हूं। आम तौर पर आप लोगों ने देखा ही होगा कि मैं अपने परिवार और दोस्तों से जुड़ी पोस्ट भी सोशल मीडिया पर साझा कम ही करती हूं, क्योंकि ये सभी लोग मेरे दिल के बेहद करीब हैं।

द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकरन नायर में अक्षय कुमार के अपोजिट होंगी अनन्या!

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों करण जौहर की आगामी बायोपिक द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकरन नायर की शूटिंग कर रहे हैं। यह फिल्म वकील और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सी शंकरन नायर के जीवन पर आधारित है। इसके अलावा, उन्होंने जलियांवाला बाग हत्याकांड के पीछे की सच्चाई के लिए भी लड़ाई लड़ी। अक्षय कुमार सी शंकरन नायर की भूमिका निभाएंगे, जबकि अनन्या पांडे और आर माधवन भी फिल्म में अभिनय करेंगे।

कथित तौर पर, अनन्या पांडे और अक्षय कुमार को हाल ही में आईआईटी रूड़की में देखा गया था। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया है, यह शेड्यूल कम से कम 20 दिनों तक चलेगा। अगला शेड्यूल अलीबाग में शुरू होगा। फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा जा रहा है कि यह नायर के परपोते रघु पलाट और उनकी पत्नी पुष्पा पलाट द्वारा लिखी गई किताब द केस दैट शुक द एम्पायर का रूपांतरण है। द केस दैट शुक द एम्पायर पुस्तक पंजाब के तत्कालीन उपराज्यपाल और 1919 में निहत्थे नागरिकों पर क्रूर हमले के प्रमुख योजनाकारों में से एक माइकल फ्रांसिस ओडायर के खिलाफ नायर की ऐतिहासिक कानूनी लड़ाई का वर्णन करती है। अक्षय कुमार के अलावा अनन्या पांडे और आर माधवन के भी फिल्म से जुड़ने की खबरें हैं, जिसने फैंस के उत्साह को बढ़ा दिया है। काम के मोर्चे पर, अक्षय कुमार को आखिरी बार मिशन रानीगंज में देखा गया था, जो इसी वर्ष अक्तूबर में रिलीज हुई थी। यह फिल्म आईआईटी धनबाद के खनन इंजीनियर जसवंत सिंह गिल पर आधारित थी, जिन्होंने 1989 में रानीगंज कोलफील्ड्स में फंसे 65 खनिकों को बचाया था। इस बीच, करण जौहर की आखिरी निर्देशित परियोजना, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी थी। फिलहाल वह अपने लोकप्रिय सेलिब्रिटी चैट शो कॉफी विद करण के 8वें सीजन को होस्ट करते नजर आ रहे हैं।

जितिन प्रसाद ने दादरी को दी 36 करोड़ रूपये की सौगात

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के पास दादरी में चौड़ी सड़कें क्षेत्र की तस्वीर बदल देगी। उत्तर प्रदेश सरकार के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने दादरी की जनता को 36 करोड़ रूपये की सौगात दी है। इससे दादरी में सड़कों का चौड़ीकरण व निर्माण कार्य किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश सरकार के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने दादरी के आनंदपुर में स्थित जेएस पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में 36 करोड़ रूपये की परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। इस दौरान प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ने दादरी विधानसभा में 12 करोड़ रूपए से अधिक की लागत से बनने वाले दादरी जारचा मार्ग से अजायबपुर रेलवे स्टेशन ग्रेटर नोएडा तक मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदढीकरण का शिलान्यास तथा दादरी विधानसभा से 23 करोड़ रूपये से ज्यादा की लागत से बनने वाले जारचा मार्ग से मढैया चक्रसेनपुर तक मार्ग का भी शिलान्यास किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कैनिबेट मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि गौतमबुद्धनगर में विकास यात्रा तेजी से आगे बढ़ रही है। जनता विकास का इंतजार करती है और जब सरकार विकास योजनाओं की सौगात देती है तो जनता में खुशी होती है। राज्य में भाजपा की सरकार आने के बाद गौतमबुद्धनगर समेत प्रदेश के अन्य जिलों की पुरानी छवि बदली है। अब बड़ी संख्या में विदेशी व देश की प्रमुख कंपनियां यूपी में निवेश कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सभी को साथ लेकर चलती है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बनाई है और इस पहचान को कायम रखने का जिम्मा हमारे पास है। आज के समय में उत्तर प्रदेश पूरे देश में विकास की दृष्टि से जाना जा रहा है।

इस अवसर पर गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा, लोक निर्माण विभाग के राज्यमंत्री तथा जिला प्रभारी कुंवर ब्रजेश सिंह, दादरी के विधायक तेजपाल नागर, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसोदिया, विधान परिषद सदस्य नरेन्द्र भाटी, श्रीचंद शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, दादरी नगर पालिका परिषद की चेयरमैन श्रीमती गीता पंडित, जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी समेत सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता तथा क्षेत्रीय जनता मौजूद रहे। मालूम हो कि अब दादरी जारचा गांव से वीरपुर, खंडेरा, जीटी रोड कोट का पुल से नहर पटरी पर चक्रपुर, कैमराला तथा मढैया चक्रसेनपुर तक 23 करोड़ रूपये की लागत से सड़कों का चौड़ीकरण तथा सुदृढ़ीकरण कराया जाएगा। वहीं फूलपुर, नई बस्ती बील तथा रामगढ़ होते हुए अजायबपुर रेलवे स्टेशन तक 12 करोड़ की लागत से विकास कार्य होगा। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद क्षेत्र के कई गांवों तथा कस्बों में सड़कें चमचमा जाएंगी।

उप्र कृषि अनुसंधान परिषद की बैठक सम्पन्न

परिषद ने रिसर्च प्रोजेक्टस का किया अनुमोदन : कैप्टन विकास गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। लखनऊ के मंडी हाउस भवन स्थित उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के

कार्यालय में विभाग की एक अहम बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता उप्र कृषि अनुसंधान परिषद के चेयरमैन (दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री) कैप्टन विकास गुप्ता ने की।

बैठक में परिषद के समक्ष प्रस्तुत किये गये शोध प्रोजेक्टस को अनुमोदित किया गया। वहीं मोटे अनाजों तथा अधिक कमाई वाले गैर पारंपरिक खेती को प्रोत्साहन देने के मुददे पर चर्चा की गई। मोटे अनाज के उत्पादन पर भी सुझाव लिये गये।

इस दौरान कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक, विशेष सचिव, कृषि विभाग, कृषि विश्व विद्यालयों के कुलपति आदि मौजूद रहे।

सीईओ के आकस्मिक निरीक्षण में मिली खामियां

नोएडा। मंगलवार को नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा नियोजन विभाग का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान उनके साथ अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजीव खत्री भी साथ थे। निरीक्षण के दौरान नियोजन विभाग में कई तरह की कमियां पाई गईं।

निरीक्षण के दौरान नियोजन विभाग की गैलरी में अनुपयोगी प्रिंटर, कम्प्यूटर आदि का सामान और टूटी फूटी कुर्सियां और काफी कबाड़ मुख्य दरवाजे से लेकर रिकार्ड रूम तक पड़ा हुआ मिला। निरीक्षण के दौरान मिले इन निष्प्रयोज्य सामानों को हटाने और साफ सफाई का ध्यान रखने का निर्देश इन अधिकारियों ने दिया।

रिकार्ड रूम की हालत भी काफी खराब मिली, यहां पर विभिन्न पत्रावलियां अस्त व्यस्त बिना टैग लगे तथा बिना नामांकन स्लिप के रैकों में रखी हुई मिली। सभी पत्रावलियों को प्लास्टिक ट्रांसपेरेंट फाइबर बाक्स में रैकों में साफ सफाई के साथ रखी जाए। रिकार्ड रूम में अस्त व्यस्त पड़ी पत्रावलियों को रैकों में सेक्टरवार व्यवस्थित ढंग से रखा जाए।

प्राधिकरण बोर्ड की पूर्व की बैठक के प्रस्तावों और निर्णयों की जो प्रतियां वर्ष 1980 तक की हैं और धूल फांक रही हैं, उन्हें झाड़ पोछकर धूप में सुखाकर व्यवस्थित ढंग से रखी जाए। रिकार्ड रूम के साथ बना टायलेट बहुत ही गंदा है और उसमें एग्जास्ट भी नहीं है और उसके सामने टूटे फूटे फर्नीचर पड़े हुए हैं। उन्हें भी पूरी तरह से साफ सफाई कराकर व्यवस्थित किया जाए। विभाग के अंदर बाहर बिजली के पैनल भी बहुत अव्यवस्थित ढंग से लगे हैं उन्हें भी दुरुस्त किया जाए।

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी-एसपी को निर्देशित किया गया है कि विभाग का सप्ताह में एक दिन पलटवार निरीक्षण करके इसकी रिपोर्ट प्रेषित करें।

अखिलेश यादव के खिलाफ दायर नोएडा पुलिस की चार्जशीट पर लगा स्टे

नोएडा/प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के एक मामले में नोएडा कमिश्नरी पुलिस (गौतमबुद्धनगर) को बड़ा झटका लगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा पुलिस द्वारा दायर की गई चार्जशीट तथा अपराधिक मुकदमा चलाने के मामले पर रोक (स्टे ऑर्डर) लगा दी है। नोएडा पुलिस ने इस मामले में अदालत में चार्जशीट दायर की थी।

आपको बता दें कि यह मामला उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 से जुड़ा हुआ है। यूपी चुनाव 2022 के प्रचार के दौरान अखिलेश यादव देर रात गौतमबुद्धनगर जिले की दादरी विधानसभा सीट पर रथ यात्रा करने आए थे। उन दिनों कोविड के कारण रात्रि कर्फ्यू चल रहा था। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जगत चौधरी भी अखिलेश यादव के साथ रथ यात्रा में शामिल थे। बिना अनुमति के चुनाव प्रचार करने तथा रात्रि कर्फ्यू का उल्लंघन करने के मामले ने नोएडा कमिश्नरी पुलिस के दादरी थाने की पुलिस ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी, दादरी विधानसभा सीट से सपा के प्रत्याशी राजकुमार भाटी तथा सपा के जिला अध्यक्ष इन्द्र प्रधान समेत 400 लोगों के विरूद्ध अपराधिक मामला दर्ज कर लिया था।

नोएडा कमिश्नरी पुलिस (गौतमबुद्धनगर) के थाना दादरी में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव व उनके साथियों पर अनेक गंभीर धाराओं में अपराधिक मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में आईपीसी की धारा-188, 269 तथा 270 के साथ ही साथ महामारी एक्ट की धारा 314 के तहत मामला दर्ज किया गया था। एफआईआर दर्ज करने के बादा नोएडा कमिश्नरी पुलिस ने इस मामले की व्यापक छानबीन करके अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी थी।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की तरफ से इस प्रकरण में अपराधिक मामला चलाने तथा चार्जशीट दाखिल करने को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने अखिलेश यादव के वकीलों के तर्क को मानते हुए नोएडा कमिश्नरी पुलिस की चार्जशीट पर स्टे ऑर्डर जारी कर दिया है। साथ ही अखिलेश यादव के विरूद्ध इस मामले में अपराधिक मामला चलाने पर भी रोक लगा दी है। हाईकोर्ट के आदेश को नोएडा कमिश्नरी पुलिस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

जेवीसीसी में नौसेना दिवस समारोह मनाया

नोएडा। जलवायु विहार सामुदायिक केंद्र (जेवीसीसी) में 1971 के युद्ध के दौरान कराची बंदरगाह पर नौसेना के दुस्साहसिक हमले 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' की याद में 04 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाया। जेवीसीसी अध्यक्ष कमोडोर रवींद्र नाथ और उनकी टीम ने श्रीमती संध्या झा और वाइस एडमिरल एसके झा वीएसएम, एवीएसएम और एनएम (सेवानिवृत्त) पूर्व मुख्य हाइड्रोग्राफर का स्वागत किया। कमोडोर नाथ ने कहा कि आज नौसेना ने एक महिला अधिकारी को युद्धपोत का पहला कमांडिंग ऑफिसर नियुक्त किया है।

मनोरंजन निदेशक इरा जोशी द्वारा संकलित एक जीवंत सांस्कृतिक तथा राजस्थानी, दुर्गा, नंदनी और काजल द्वारा सपेरा नृत्य का लोगों ने भरपूर आनंद उठाया। विक्की की मंडली की साक्षी और अंशू द्वारा ओडिसी नृत्य। सैक्सोफोन पर आलिया ने जलवा बिखेरा। कुछ सदस्यों ने उनकी धुनों पर नृत्य भी किया।

प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए श्रीमती संध्या झा, सुश्री मलिक और श्रीमती मधु नाथ के द्वारा उपहार और ट्राफियां सौंपी गई।धन्यवाद प्रस्ताव में उपाध्यक्ष सीपीओ एनसी शर्मा ने उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

अभी दो दिनों तक और फाइलों को खंगालेगी एसआइटी

अब तक 700 फाइलें देखी, वर्ष 2015-16 पर विशेष नजर

नोएडा। मुआवजा वितरण में हुए घोटाले को लेकर प्राधिकरण में अभी दो दिनों तक एसआइटी टीम फाइलों को खंगालेगी। फाइलों पर वित्त नियंत्रक एसके

गुप्ता , एसीईओ संजय खत्री व सीईओ लोकेश एम जवाब दे रहे है। मंगलवार को भी सुबह करीब साढ़े 11 बजे के आसपास बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के चेयरमैन एवं एसआईटी के हेड हेमंत राव , मेरठ मंडल की कमिश्नर सेल्वा कुमारी जे और एडीजी मेरठ राजीव सभरवाल पहुंचे। बोर्ड रूम में हेमंत राव खुल फाइलों को देख रहे है।

अब तक करीब 700 से ज्यादा फाइलों के दस्तावेजों को खंगाला गया। इसकी एक सूची तैयार की गई और जमीन अधिग्रहण , आपसी समझौते और न्यायालय के आदेश पर कितना मुआवजा दिया गया । इसका मिलान प्राधिकरण की सालाना बैलेंस शीट से कराया जा रहा है। ये बैलेंस शीट प्राधिकरण की वित्तीय बैठक में प्रस्तुत की जाती है। इसमें साल भर का प्राप्तियां और आय व्यय , मुआवजा का विवरण होता है। कुछ कमिया निकलकर सामने आई है। हालांकि एसआईटी की टीम जनवरी 2015-2016 की फाइलों पर ज्यादा ध्यान दे रही है।

इसमें किसान दलीप सिंह, भुल्लड़, गोपी, विद्ययावति, सोहनलाल, रामरिख, महेंद्र, रामे, हंसराज , राम रतन और हो राम है। इन सभी की फाइलों को खंगाला जा रहा है। इनके वारिसनों से रकम वापस लाने के लिए प्राधिकरण आरसी जारी की है। इसके अलावा उच्च न्यायालय में लंबित और जिन फाइलों पर आदेश हुए उन सभी प्रकरणों को सूचि बद्ध करते हुए जांच की जा रही है।

जिम्स नोएडा में युवा सशक्तिकरण पर प्रिंसिपल मीट का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। जिम्स नोएडा द्वारा युवा सशक्तिकरण विषय पर प्रिंसिपल मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रसिद्ध न्यूज़ एंकर श्रीवर्धन त्रिवेदी ने कहा कि मेहनत और लगन से किए गए कार्य में सफलता अवश्य मिलती है।

प्रिंसिपल मीट में एंकर श्रीवर्धन त्रिवेदी, डॉ. सुमित अग्रवाल, डॉ. पलक गुप्ता, डॉ. विजेता तनेजा ने दीप प्रज्जवल कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि श्रीवर्धन त्रिवेदी ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में सफलता हासिल करने के लिए मेहनत लगन और दृढ़ संकल्प की खासी अहमियत होती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं का आह्वान किया कि वह अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कठोर मेहनत करें। ईमानदारी से की गई मेहनत से सफलता अवश्य मिलती है।

युवा सशक्तिकरण विषय पर प्रिंसिपल और शिक्षकों के साथ एक ओपन सत्र का भी आयोजन किया गया। इस सत्र का संचालन जेवियर स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती कीर्ति टंडन द्वारा किया गया। इस सत्र में विद्यार्थी जीवन से जुड़े कई पहलुओं पर शिक्षाविदों ने अपने-अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम में लगभग 30 स्कूलों के प्रिंसिपल सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में शिक्षाविदों को सम्मानित भी किया गया।

जन्मदिन की बधाई

तुम जियो हजारों साल
साल के दिन हों पचास हजार

आशीर्वाद फाउंडेशन के संरक्षक आशीष सिंगल, निवासी-सेक्टर-105 के जन्मदिन पर चेतना मंच परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

चेतना मंच परिवार